

दैनिक

सोनिया टाइम्स

वर्ष : 10, अंक - 96 प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक गोपाल, गुरुवार 05 जून 2025 E-mail:-soniyatimesnewspaper@gmail.com पृष्ठ : 8, मूल्य : 2 रुपए

पॉक्सो कोर्ट ने धर्मांतरण गैंग की मुख्य आरोपी की जमानत याचिका खारिज की

अजमेर। अजमेर की पॉक्सो कोर्ट ने बिजयनगर रेप-व्लैकमेल कांड में धर्मांतरण गैंग की मुख्य कड़ी पूर्व पार्षद हकीम कुरेशी की जमानत याचिका खारिज कर दी। पॉक्सो कोर्ट ने टिप्पणी में कहा कि नाबालिग लड़की पर रोजा रखने और कलमा पढ़ने का दबाव बनाना, उनकी पसंद के कपड़े पहनने और आरोपियों के साथ जाने को मजबूर करना गंभीर प्रकृति का अपराध है। कोर्ट ने कहा कि हकीम कुरेशी ने पीड़िता को डरा-धमकाकर आरोपी सोहेल मंसूरी के साथ भेजने का षड्यंत्र रचा था। आरोपी ने कहा था कि पीड़िता के 18 साल की होने पर सोहेल लड़की को भगाकर निकाह कर लेगा। उस पर हिंदू धर्म छोड़कर इस्लाम अपनाने के लिए भी दबाव बनाया गया। पॉक्सो कोर्ट के विशिष्ट लोक अभियोजक (सरकारी वकील) प्रशांत यादव ने बताया- 5 अन्य आरोपियों ने भी जमानत याचिकाएं दायर की हैं। इनमें तीन नाबालिग और दो बालिग हैं। इन सभी की सुनवाई के लिए अलग-अलग तारीखें तय की गई हैं। एक नाबालिग आरोपी की जमानत याचिका पर गुरुवार को सुनवाई होगी।

न्यूज. बीफ

जासूसी के आरोप में युट्यूबर गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में युट्यूबर जसबीर सिंह को गिरफ्तार किया है। जसबीर सिंह रूखनगर के महलों गांव का रहने वाला है और उसके युट्यूब चैनल जान महल पर 10 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर्स हैं। वह 3 बार पाकिस्तान जा चुका है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि वह आईएसआई एजेंट शाकिर उर्फ जदु रंघावा के संपर्क में था। साथ ही हरियाणा से गिरफ्तार युट्यूबर ज्योति मल्होत्रा और पाकिस्तानी उच्चायोग से निष्कासित अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ जलिया से भी कॉन्टैक्ट में था।

ऑल टाइम हाई पर पहुंची चांदी

नई दिल्ली। चांदी के दाम 4 जून को 1,01,000 रुपए किलो के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियम एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार इस साल अब तक चांदी के दाम 14,983 रुपए बढ़ चुके हैं। यानी चांदी इस साल अब तक 17 प्रतिशत का रिटर्न दे चुकी है। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि अभी जो जियो पॉलिटिकल टेंशन चल रहे हैं, आगे जाकर इनके कम होने के आसार हैं। इससे चांदी की इंडरट्रियल डिमांड बढ़ेगी। जिससे चांदी इस साल 1 लाख 30 हजार रुपए तक जा सकती है।

एनवीडिया सबसे वैल्युएबल कंपनी बनी

नई दिल्ली। सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया एक बार फिर दुनिया की सबसे वैल्युएबल कंपनी बन गई है। 3 जून को कंपनी के शेयर में 2.80 प्रतिशत की तेजी रही, जिसके चलते मार्केट कैप बढ़कर 3.45 ट्रिलियन डॉलर (करीब 296 लाख करोड़ रुपए) पर पहुंच गया है। कंपनी ने यह मुकाम माइक्रोसॉफ्ट को पीछे छोड़कर हासिल किया है। माइक्रोसॉफ्ट का मार्केट कैप 3.44 ट्रिलियन डॉलर (करीब 295 लाख करोड़ रुपए) है। आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल का मार्केट कैप 3.04 ट्रिलियन डॉलर (करीब 261 लाख करोड़ रुपए) है।

शेख मुजीबुर्रहमान अब बांग्लादेश के राष्ट्रपिता नहीं

यूनस की अंतरिम सरकार ने खतम किया दर्जा

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने देश के संरक्षण और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता बंगबंशु शेख मुजीबुर्रहमान को दिए गए राष्ट्रपिता के दर्जे को खत्म कर दिया है। स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े कानून में संशोधन करके यह बदलाव किया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में बुधवार को यह जानकारी दी गई। यह फैसला मंगलवार को ऐसे वक्त में आया, जब कुछ दिन पहले ही मोहम्मद युनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने शेख मुजीबुर्रहमान की तस्वीर को नए मुद्रा (करंसी) नोटों से हटा दिया है। अंतरिम सरकार ने राष्ट्रीय स्वतंत्रता सेनानी परिषद अधिनियम में संशोधन किया है, जिससे स्वतंत्रता सेनानी की परिभाषा को बदल दिया गया है। बांग्लादेश के कानून, न्याय और संसदीय कार्य मंत्रालय ने इस संशोधन से जुड़ा अध्यादेश मंगलवार की रात को जारी किया। [रिपोर्ट में कहा गया है कि कानून में राष्ट्रपिता बंगबंशु शेख मुजीबुर्रहमान शब्द को भी संशोधित किया गया है।]

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक

ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार नियमों के तहत चर्चा को तैयार

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव संभव

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने बुधवार को नई दिल्ली में इसकी जानकारी दी। रिजिजू ने बताया कि यह सत्र 21 जुलाई से 12 अगस्त तक चलेगा। किरन रिजिजू ने कहा कि सरकार नियमों के तहत सत्र में किसी भी विषय पर चर्चा को तैयार हैं। साथ ही बताया कि सत्र के दौरान जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश हो सकता है। सरकार ने मानसून सत्र का ऐलान विपक्ष के स्पेशल सेशन की मांग के बीच की है। विपक्ष पहलगाण हमला, ऑपरेशन सिंदूर और भारत-पाकिस्तान



के बीच मध्यस्थता पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर चर्चा की मांग कर रहा था। इंडिया गठबंधन के 17 दलों ने 3 जून को नई दिल्ली में बैठक की। इसमें स्पेशल सेशन बुलाने के लिए

मानसून सत्र में हंगामा के आसार
ऐसा माना जा रहा है कि अगर सरकार ने स्पेशल सेशन की मांग नहीं मानी तो मानसून सत्र में हंगामा होने के आसार हैं। सरकार ने कहा कि वह नियमों के तहत हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार है।

एफडीआई की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की तैयारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विधेयक का मसौदा तैयार है और इसे जल्द ही मंजूरी के लिए कैबिनेट के सामने पेश किया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग विधेयक को संसद में पेश करने की प्रक्रिया शुरू करेगा।



"एक पेड़ माँ के नाम" मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे शुभारंभ

"प्लास्टिक प्रदूषण उन्मूलन" विषय पर होगा संवाद
भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून गुरुवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागृह भोपाल में इस वर्ष के "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एकीकृत पर्यावरण प्रबंधन पॉटल लॉन्च करेंगे। साथ ही पीएचडी छात्रवृत्ति एवं मध्यप्रदेश वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार का वितरण भी करेंगे। विश्व पर्यावरण दिवस "प्लास्टिक प्रदूषण उन्मूलन" विषय पर आधारित होगा। कार्यक्रम में वन, पर्यावरण राज्य मंत्री श्री दिलीप सिंह अहिरवार विशेष अतिथि रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य वेटलेण्ड प्राधिकरण द्वारा तैयार प्रदेश के वेटलेण्ड एटलस का विमोचन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इकाइयों और संस्थानों को "मध्यप्रदेश वार्षिक पर्यावरण" पुरस्कार का वितरण भी करेंगे। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव पर्यावरण श्री नवनीत मोहन कोठारी, एको के कार्यपालिक संचालक श्री श्रीमन् शुक्ला, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव श्री अच्युतानंद मिश्रा, पर्यावरणविद, इकाइयों, संस्थानों के प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

मानसून आया आफत लाया...सिक्किम के लाचेन में 83 टूरिस्ट फंसे, 6 लापता, मिजोरम में 11 दिन में 626 लैंडस्लाइड, 5 की मौत, मप्र-बिहार में आंधी-बारिश

आधी, बारिश, बाढ़ बनी जानलेवा

ब्रह्मपुत्र और बराक समेत 15 से अधिक नदियां खतरे के निशान से ऊपर

पूर्वोत्तर में बाढ़ से और बिगड़े हालात, असम के 11 जिलों के लिए यलो अलर्ट



नई दिल्ली/भोपाल/इम्फाल। मानसूनी बारिश से पूर्वोत्तर में आई बाढ़ ने विकराल रूप ले लिया है। असम में ब्रह्मपुत्र और बराक समेत 15 से अधिक छोटी-बड़ी नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कई राज्यों में बहुत बड़ा क्षेत्र बाढ़ की चपेट में है। नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों में पिछले दो हफ्तों से भारी बारिश लगातार जारी है। बाढ़ और लैंडस्लाइड के कारण लाखों लोग प्रभावित हैं।

सिक्किम के लाचेन में भारतीय सेना ने विदेशी नागरिकों सहित 30 टूरिस्ट को एयरलिफ्ट करके रेस्क्यू किया। 183 लोग अब भी फंसे हैं। 6 लोग लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। मिजोरम में सरकार ने टूरिस्ट्स के लिए एडवाइजरी जारी की है। लोगों से 13 जून तक राज्य में आने से बचने की अपील की गई है। राज्य में 24 मई से तेज बारिश जारी है। तब से 3 जून तक, 11

दिनों में मिजोरम में 626 लैंडस्लाइड की घटनाएं हुई हैं। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई है। असम में बाढ़ से 6 और लोगों की मौत हो गई। यहां लैंडस्लाइड-बाढ़ में मरने वालों आंकड़ा 17 पहुंच गया है। राज्य के 21 जिले के 6.5 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। 7 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मणिपुर में 1.64 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। 35 हजार से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है।

करीब 4 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया है। बंते 4 दिन में 100 से ज्यादा लैंडस्लाइड की घटनाएं हुई हैं। नागालैंड को मणिपुर से जोड़ने वाला एएच-2 का 50 मीटर का हिस्सा धंस गया है। मप्र और बिहार में भी आंधी-बारिश का दौर जारी है। मप्र के 17 और बिहार के 29 जिलों में बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने राजस्थान के 29 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।

अब तक 43 मौतें, सात लाख लोग प्रभावित

असम में लगभग 7 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, हजारों मकान ध्वस्त या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। हजारों लोगों को राहत शिविरों में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है। अब तक 43 लोगों की जान भी जा चुकी है। असम और मेघालय में भारी तबाही देखने को मिल रही है। दोनों ही राज्यों में बाढ़ की स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। असम में 21 जिले बाढ़ की चपेट में हैं और 6.32 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। स्थानीय मौसम केंद्र ने 11 जिलों में आंधी-तूफान और बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। सड़क, रेल और फेरी सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। दक्षिण-पश्चिम मानसून समय से लगभग आठ दिन पहले आने के बाद ठिठक गया है। अब इसके 11 जून से फिर गति पकड़ने की उम्मीद है। इस बीच, जहां तक मानसून पहुंचा है।

मप्र में 10 जून के बाद मानसून की एंट्री

मप्र में बुधवार को भी मौसम बदला रहा। राजधानी भोपाल और राजपुर समेत कुछ जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई है। भोपाल में तो सुबह से बादल छाए रहे। दोपहर बाद रिमझिम बारिश होने लगी। राजपुर में करीब आधे घंटे पानी गिरा। मौसम विभाग ने कई जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। सिवनी, बालाघाट, बैतुल, छिंदवाड़ा, देवास और सोहोरा में आकाशीय बिजली चमकने के साथ तेज आंधी चल सकती है। जिसकी रफ्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक रह सकती है। प्रदेश में मानसून की एंट्री 10 जून के बाद ही होने की संभावना है। मौसम विभाग की मानें तो अभी मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में एक ही जगह पर ठहरा है। पिछले कुछ दिन से ये आगे नहीं बढ़ा है।

सिक्किम में 1,700 लोग निकाले गए

सिक्किम में भूस्खलन के बाद फंसे 34 लोगों को दो एमआई-17 वी5 हेलिकॉप्टरों की मदद से सुरक्षित निकाल कर पास के पाकयोग हवाई अड्डे पर पहुंचाया गया है। राज्य में राज्य के विभिन्न हिस्सों में फंसे अब तक 1,700 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। सिक्किम के लाचेन शहर के छतेन में सैन्य शिविर पर भूस्खलन के बाद लापता छह सैनिकों की तलाश तेज कर दी गई है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 23 सदस्यीय टीम को भी तलाशी अभियान में लगाया गया है। वहीं, उफनती तीस्ता नदी में वाहन के साथ बंधे आठ लोगों की तलाश भी तेज कर दी गई है। 29 मई की रात वाहन एक हजार फीट नीचे नदी में गिर गया था। इसमें 11 लोग सवार थे, जिनमें से दो लोगों को सुरक्षित निकाल गया था, जबकि एक को मौत हो गई थी।

दिव्यांगजन अपनी क्षमता, योग्यता, संघर्षशीलता और सकारात्मकता के आधार पर समाज में अपना स्थान बनाते हैं - मुख्यमंत्री डॉ. यादव



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दिव्यांगजन अपनी क्षमता, योग्यता, संघर्षशीलता और सकारात्मकता के आधार पर समाज में अपना स्थान बनाते हैं। यह आत्मविश्वास ही उन्हें विशेष पहचान देता है।

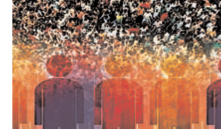
मध्यप्रदेश सरकार उन्हें हर स्तर पर प्रोत्साहित करने और सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परमात्मा हमारे शरीर में भेले ही कोई एक गुण कम करता है, लेकिन बदले में कई गुण बढ़ाकर भी देता है। दिव्यांगजन समाज के महत्वपूर्ण अंग हैं। उनकी अपने-अपने क्षेत्र में योग्यताएं हैं। राज्य सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए शासकीय नौकरियों (सीबी भर्ती) में अतिरिक्त 2 प्रतिशत आरक्षण दिया है। सरकार की भावना सर्वे भवन्तु सुखिनः रही है। दिव्यांगजन के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। उनकी परेशानियां दूर करने के लिए सरकार सदैव तत्पर है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिव्यांग शब्द प्रदान करने से समाज का दृष्टिकोण सकारात्मक रूप से बदला है।

हिमाचल में बर्फबारी, पहाड़ों पर बड़ी ठंड

हिमाल। हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति जिला की अधिक ऊँची चोटियों पर बुधवार सुबह ताजा हिमपात हुआ। आमतौर पर जून में बर्फ नहीं गिरती। मगर इस बार जून में भी बर्फबारी हो रही है। सुबह के वक्त लाहौल स्पीति के लांगवा गांव में बर्फ के फाहे गिरे। घाटी में इससे मौसम ठंड हो गया है। वहीं 6 जिलों में भारी बारिश और तूफान का आरंभ अलर्ट है। मौसम विज्ञानी संदीप शर्मा ने बताया कि विभाग के पास बर्फबारी का रिकॉर्ड केवल उन स्टेशन का रहता है, जहां उनके वेदर स्टेशन हैं। जिस जगह आज सुबह बर्फ गिरने की सुचना है, वहां पर विभाग का वेदर स्टेशन नहीं है। इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि जून में पहली बार बर्फ गिरी है। मगर उन्होंने माना कि जून में बर्फ गिरना सामान्य नहीं है।

अक्टूबर 2026 से 4 राज्यों में जातीय जनगणना बाकी राज्यों में मार्च 2027 से होगी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देश में जातीय जनगणना 1 मार्च 2027 से कराने जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जातीय जनगणना को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पहले 4 पहाड़ी राज्यों- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में कराई जाएगी। यहां 1 अक्टूबर 2026 से इसकी शुरुआत होगी। केंद्र ने 30 अप्रैल को देश में आजादी के बाद पहली बार जातीय जनगणना 2011 में हुई थी। इसे हर 10 साल में किया जाता है।



कहा था कि जातीय जनगणना को मूल जनगणना के साथ ही कराया जाएगा। कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल जाति जनगणना करने की मांग करते रहे हैं। देश में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसे हर 10 साल में किया जाता है।

अफसर को पीटने वाले ज्वाइंट कमिश्नर सस्पेंड

लखनऊ। लखनऊ में आईआरएस अफसर गौरव गर्ग को पीटने के आरोपी जॉइंट कमिश्नर योगेंद्र मिश्रा को सस्पेंड कर दिया गया। उन्हें बंगाल-सिक्किम रीजन से अटैच किया गया है। योगेंद्र पर आरोप है कि 29 मई को उन्होंने ऑफिस में घुसकर गौरव गर्ग से मारपीट की थी। उनका गला दबाने की कोशिश की। कांव का गिलास फेंककर मारा और चेहरे पर मुक्के भी मारे। इतना ही नहीं, जूतों से उनके प्राइवेट पार्ट पर हमला किया था।

झाबुआ में दर्दनाक हादसा, शादी से लौट रहे दो परिवारों में मातम

वैन पर पलटा सीमेंट से भरा ट्रॉला, 4 बच्चों समेत 9 की मौत



सवार 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 5 साल के बच्चे समेत दो गंभीर घायल हैं। हादसा भावपुरा गांव के पास कल्याणपुरा में हुआ। इसमें 4 बच्चे, 3 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया है। मृतकों में मुकेश खेपड़ (40), उनकी पत्नी सावली (35), बेटी विनोद (16), बेटी पायल (12), मही बर्मनिया (38), विजय बामनीय (14), कांता बर्मनिया (14), रागिनी बर्मनिया (9) और अकली परमार (35) शामिल हैं। हादसे में पायल परमार (19) और 5 वर्षीय आशु बर्मनिया घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, वैन में सवार सभी लोग मेघनगर तहसील के शिंगगढ़ मुहड़ा के रहने वाले थे। थांदला और मेघनगर पुलिस टीम एम्बुलेंस के साथ मौके पर पहुंची। घायलों और मृतकों का थांदला सिविल अस्पताल और मेघनगर अस्पताल ले जाया गया।

आलीराजपुर/झाबुआ। झाबुआ में मंगलवार बुधवार की दरमियानी रात सीमेंट से भरा ट्रॉलर ने पहले इको वैन को टक्कर मारी, फिर घसीटते हुए ले गया और वैन पर पलट गया। वैन सवार 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। 5 साल के बच्चे समेत दो गंभीर घायल हैं। हादसा भावपुरा गांव के पास कल्याणपुरा में हुआ। इसमें 4 बच्चे, 3 महिलाएं और 2 पुरुष शामिल हैं। ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया है। मृतकों में मुकेश खेपड़ (40), उनकी पत्नी सावली (35), बेटी विनोद (16), बेटी पायल (12), मही बर्मनिया (38), विजय बामनीय (14), कांता बर्मनिया (14), रागिनी बर्मनिया (9) और अकली परमार (35) शामिल हैं। हादसे में पायल परमार (19) और 5 वर्षीय आशु बर्मनिया घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, वैन में सवार सभी लोग मेघनगर तहसील के शिंगगढ़ मुहड़ा के रहने वाले थे। थांदला और मेघनगर पुलिस टीम एम्बुलेंस के साथ मौके पर पहुंची। घायलों और मृतकों का थांदला सिविल अस्पताल और मेघनगर अस्पताल ले जाया गया।

एलन मस्क के पिता एरोल और बहन अलेक्जेंड्रा ने राम मंदिर में नवाया शीश

अयोध्या। अयोध्या में 500 वर्षों के संघर्ष के बाद मयादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर दिव्य और भव्य मंदिर के निर्माण की गूंज वैश्विक स्तर पर सुनी जा सकती है। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क के पिता एरोल मस्क ने अपनी बेटी अलेक्जेंड्रा और अन्य सहयोगियों के साथ रामलला के समक्ष श्रद्धा निवेदित की और मंदिर के निर्माण के आरम्भिक पहलुओं को देखा। पुजारी ने जब उन्हें और उनकी बेटी सहित सभी सहयोगियों को उमनगोी पहनाया तो सब के सब भावविभोर हो गए। एरोल मस्क भारतीय संस्कृति से औत्तमता पूर्ण पंजामा पहनकर अयोध्या पहुंचे हैं। इससे पहले उन्होंने ऐतिहासिक हनुमानगढ़ी पर हनुमंतलला की पूजा अर्चना की। एरोल मस्क ने मधुर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मीडिया से बात भी की। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध भाविय में और अच्छे रहेंगे। 4

रिटायरमेंट से डिरेल हुई भोपाल मेट्रो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मेट्रो रिटायरमेंट का शिकार हो गई है। जिसके कारण बीते 7 सालों में महज 7 किलोमीटर का ट्रैक भी पूरा तैयार नहीं हो सका। विशेषज्ञों का कहना है कि भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी सेवानिवृत्त अधिकारियों पर है, जो दूसरे विभागों से रिटायर होकर आए हैं। इधर सरकार ने 10 सालों में 12 एमडी भी बदल दिए। विशेषज्ञों का कहना है कि यही दो अहम कारण हैं, जो भोपाल मेट्रो को पीछे धकेल रहे हैं। 12 में से 9 जीएम रिटायरमेंट वाले बता दें कि भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट में काम कर रहे अधिकतर अधिकारी दूसरे विभागों से प्रतिनियुक्ति पर आए हैं, या फिर उन्होंने सेवानिवृत्त होने के बाद ज्वाइन किया है।

वर्तमान की बात करें तो भोपाल मेट्रो में डायरेक्टर फाइनंस, डायरेक्टर सिस्टम और डायरेक्टर प्रोजेक्ट भी पूर्णकालिक नहीं हैं। मध्य प्रदेश मेट्रो की अलग-अलग शाखाओं में 12 जीएम हैं, इनमें से 9 दूसरे विभागों से रिटायर होकर आए हैं। ऐसे में भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट में तालमेल की कमी देखी जा रही है, जिससे काम पिछड़ रहा है। 10 साल में बदल दिए 12 एमडी दरअसल, भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट की मंजूरी 30 नवंबर 2018 को मिली थी। 19 अगस्त 2019 को इसका एमओयू साइन हुआ था। तब सरकार ने भोपाल में एम्स से सुभाष नगर तक 7 किलोमीटर के प्रायोरीटी कॉरिडोर में मेट्रो चलाने की समय सीमा सिवंबर 2023 निर्धारित की थी। हालांकि, अक्टूबर 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सुभाष नगर से रानी कमलपति स्टेशन तक करीब 5 किलोमीटर के ट्रैक पर मेट्रो के ट्रायल रन को हरी झंडी दिखाई थी, लेकिन अब तक पूरा 7 किलोमीटर का प्रायोरीटी कॉरिडोर तैयार नहीं हो पाया।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बाढ़ से बचाव उच्च स्तरीय बैठक 6 को

भोपाल। वर्षा पूर्व बाढ़ से बचाव के संबंध में राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति की बैठक 6 जून को मुख्य सचिव प्रतिक्रम में होगी। बैठक में आपदा प्रबंधन के लिए गुह विभाग नोडल विभाग है। बचाव व राहत कार्य की स्थिति में विभाग सेना से समन्वय स्थापित कर कार्य करता है। बैठक में अपर मुख्य सचिव, गृह, जल संसाधन एवं नर्मदा घाटी विकास, वन, कृषि उत्पादन, आयुक्त, सहकारिता, ऊर्जा, लोक निर्माण, नगरीय विकास एवं आवास, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, महिला एवं बाल विकास, प्रमुख सचिव, वित्त, पंचायत एवं



ग्रामीण विकास, आयुष, महुआ कल्याण तथा मत्स्य, पशुपालन, खनिज साधन, राजस्व एवं पुनर्वास, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, लोक स्वास्थ्य

एवं नागरिक सुरक्षा, सचिव, गृह एवं समन्वयक राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, कमाण्डेंट 11 बीएन एन.डी.आर.एफ. वाराणसी उत्तरप्रदेश, स्टेशन कमाण्डर, सेना मुख्यालय सप्त एरिया भोपाल, निदेशक, मौसम विज्ञान(आईएमडी) भोपाल, संचालक, केन्द्रीय जल आयोग भोपाल, स्टेशन डायरेक्ट, आकशवाणी भोपाल, सचिव, भारतीय रेडक्रस सोसायटी भोपाल, डिविजनल, रेलवे मैनेजर, सेंट्रल रेलवे भोपाल, स्टेशन डायरेक्टर, दूरदर्शन भोपाल, केन्द्रीय भू-जल बोर्ड, राज्य सुदूर संवेदन केन्द्र विज्ञान भवन, जल विज्ञान डेटा सेंटर, के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

मध्य प्रदेश आ रहा मानसून मुंबई में रुका

भोपाल। वैसे तो दक्षिण-पश्चिम मानसून पांच दिनों से मुंबई के पास ही ठिठका हुआ है, लेकिन लगातार आ रही नम हवाओं के कारण मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बारिशें पड़ने का सिलसिला बना हुआ है। इससे वातावरण में ठंडक भी बनी हुई है। हरियाणा में बाढ़ है चक्रवात मौसम विज्ञान केन्द्र के विज्ञानी अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा मुंबई, अहिल्यानगर, आदिलाबाद, भवानीपटना, पुरी, बालुरघाट से होकर हो गुजर रही है। एक पश्चिमी विक्षोभ पंजाब और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवाती के रूप में सक्रिय है। इससे एक द्रोणिका भी संबद्ध है। हरियाणा पर हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवर्त बना हुआ है। रुक-रुककर हो रही बारिश इसके अतिरिक्त उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। हवाओं के साथ नमी आने के कारण रुक-रुककर बारिश हो रही है। इस तरह की स्थिति अभी बनी रहने के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि हवाओं का चक्रवाती बना हुआ है। साथ ही हवाओं की रफ्तार भी काफी तेज है।

उज्जैन बना देश का नया धार्मिक पर्यटन हब...

भोपाल। मध्य प्रदेश अब केवल हृदय प्रदेश नहीं रहा, बल्कि आस्था और अध्यात्म का देशव्यापी केंद्र बन गया है। उज्जैन में स्थित महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और खंडवा ज़िले के ओंकारेश्वर मंदिर जैसी धार्मिक धरोहरें, अब न केवल श्रद्धालुओं के लिए बल्कि देश-विदेश के पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन रही हैं। राज्य सरकार की रणनीतिक परि योजनाओं और सिंहस्थ-2028 की तैयारी ने धार्मिक पर्यटन को एक नई दिशा दी है। उज्जैन का पुनर्कारण, आस्था से आकर्षण तक उज्जैन शहर को पौराणिक मान्यता के साथ-साथ आधुनिक विकास के मानचित्र पर फिर से उभारा गया है। महाकाल महालोक की भव्यता और योजनाबद्ध निर्माण ने महाकालेश्वर मंदिर परिसर को अंतरराष्ट्रीय स्तर का धार्मिक अनुभव प्रदान किया है। आवागमन और भीड़ प्रबंधन के लिहाज से पिछले तीन वर्षों में शहर की आंतरिक और बाहरी सड़कें चौड़ी की गई हैं। साथ ही रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए एक नई विक्रम



उद्योगपुरी खोली गई। मेडिकल कॉलेज, आईटी पार्क और हेलीपैड का निर्माण शुरू कराया गया। वहीं आगामी दिनों में रोप वे, एयरपोर्ट का निर्माण शुरू होना है। कुल मिलाकर शहर में सुंदरीकरण के साथ यात्री सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ और आगे भी काम जारी है।

सिंहस्थ 2028 : पर्यटन विकास का सुनहरा अवसर

उज्जैन में वर्ष 2028 में लगने का रहा महकुंभ सिंहस्थ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि राज्य के पर्यटन, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास का प्रवेश द्वार बन सकता है। इसके लिए अद्योत्तरचना, सुरक्षा, तकनीकी ट्रिज्म, ग्रीन टूरिज्म और ऑटोफिशियल इंटेलिजेंस आधारित विजिटर मैनेजमेंट जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं को अभी से लागू करना होगा। विशेषज्ञों की मानें तो धार्मिक पर्यटन के चलते न केवल बोटल उद्योग, परिवहन और गाइड सेवाएं बढ़ती हैं, बल्कि लोकल हैंडिक्राफ्ट, फूड, आर्ट और संगीत को भी वैश्विक मंच मिलता है। उज्जैन और ओंकारेश्वर के इस विकास मॉडल को महेश्वर, मांडवागढ़, चित्रकूट, अमरकंटक तक फैलाने की जरूरत है।

मंगल ग्रह की उत्पत्ति का केंद्र, मंगलनाथ मंदिर

केरल और गोवा से सबक लेना जरूरी अगर मध्य प्रदेश को देश के शीर्ष पर्यटन राज्यों की श्रेणी में लाना है तो उसे केरल और गोवा जैसे राज्यों की रणनीतियों को अपनाना होगा। उदाहरण के तौर पर गोवा की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का योगदान 40 प्रतिशत तक है, जबकि केरल की जीडीपी में यह 20 प्रतिशत तक है। मध्य प्रदेश में यह आंकड़ा 8 से 10 प्रतिशत के बीच है, जिसे उज्जैन और ओंकारेश्वर जैसे स्थलों के जरिए 15 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है।

छिंदवाड़ा में गरमाया राजनीतिक माहौल

सांसद विवेक बंटी साहू, कमलनाथ के हाइपर हावभाव से शोर

भोपाल। भले ही अभी किसी तरह के चुनाव नहीं है और ना ही किसी के लिए वोट मांगे जा रहे हैं लेकिन छिंदवाड़ा में राजनीतिक सरगर्भियां तेज हैं। यहां पर चुनाव जैसा माहौल नजर आ रहा है। एक ओर भाजपा सांसद पदयात्रा कर खेत से लेकर गांव-गांव रुक रहे हैं तो वहीं पूर्व सीएम कमलनाथ और पूर्व सांसद नकुलनाथ कांग्रेस की बैठक लेकर कार्यकर्ताओं को रिचार्ज कर रहे हैं।

सांसद विवेक बंटी साहू ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के तीसरे कार्यकाल का



1 साल पूरा होने जा रहा है। इस 1 साल में सरकार ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इन उपलब्धियों को जन-जन तक

पहुंचाने के लिए ही पदयात्रा निकाली गई। कमलनाथ ने कार्यकर्ताओं को किया रिचार्ज ऐसा नहीं है कि सिर्फ भाजपा और सांसद भी सक्रिय नजर आ रहे हैं। बल्कि पूर्व सीएम कमलनाथ और उनकी बेटे पूर्व सांसद नकुलनाथ ने भी तीन दिनों तक छिंदवाड़ा में रहकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की विधानसभा स्तर की बैठक ली। कमलनाथ ने कहा कि राजनीति के बदले स्वरूप और वैचारिक लड़ाई की गम्भीर चुनौतियों को समझने की आवश्यकता है। यह दौर बीत चुका है जब गांव व परिवार में फिर

या फिर किसी अन्य राजनीतिक पार्टी के हुआ करत थे। वर्तमान में एक ही छत के नीचे अलग-अलग दल के मतदाता होते हैं। गांव व कस्बे के अंतिम छोर के व्यक्ति तक कांग्रेस पार्टी का चक्रवाती व कार्यकर्ता पहुंचे इसके लिए क्षेत्रीय कांग्रेस कमेटी और बुध का मजबूत होना बेहद आवश्यक है।

लोग पूछ रहे फिर चुनाव हैं क्या अक्सर नेता चुनाव के वक्त इतने सक्रिय नजर आते हैं। ऐसे में दोनों पार्टियों के नेताओं को एक्टिव देखकर लोगों में सवाल उठ रहा है कि क्या मध्य प्रदेश में फिर

चुनाव हैं क्या? अपनी पदयात्रा के दौरान सांसद बंटी विवेक साहू कभी खेतों में काम कर रहे किसानों से मिले तो कभी मजदूरों से मुलाकात कर उन्हें श्रीमद् भगवद्गीता भेंट की। कहीं-कहीं गांवों में पहुंचकर उन्होंने घरेलू काम कर रही महिलाओं के साथ हाथ चक्की से लेकर सेवईया तक बनाईं। वहीं पूर्व सांसद नकुलनाथ भी ग्रामीण इलाकों के के दौर कर रहे हैं। इस दौरान वे कभी खेतों में पेड़ के नीचे बैठकर खाना खाते हैं, तो कभी गन्ने की मशीन से जूस निकालते नजर आते हैं।



पारदर्शी और तकनीक सक्षम बनाना है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय भूमि संसाधन विभाग के निदेशक श्याम कुमार, केन्द्रीय भूमि संसाधन संयुक्त सचिव कुणाल सत्यार्थी, एसोएस निदेशक एवं प्रौद्योगिकी विभाग संजय दुबे, प्रमुख सचिव राजस्व विभाग विवेक पोरवाल, एसोएस नगरीय विकास एवं आवास विभाग संजय शुक्ला और राजस्व विभाग एवं भू-अभिलेख आयुक्त सुश्री अनुभा श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

5 लाख लोगों के नाम का दूसरे खा रहे थे राशन

छह महीने में 10 फीसदी राशन हितग्राहियों के नाम कटे

स्मार्ट पीडीएस में जुड़ेगा वेरिफाइड डाटा

केंद्र की स्मार्ट पीडीएस योजना के तहत राज्य स्तरीय ऑनलाइन डैशबोर्ड बनाकर राशन वितरण प्रणाली मग्न में पूरी तरह ऑनलाइन निगरानी पर जल्द काम करेगी। केंद्र से बजट मिल चुका है। इस प्रोजेक्ट का कंट्रोल रूम खाद्य संचालनालय, विध्याचल भवन में बनेगा। जल्द खाद्यान्न लेकर जाने वाले वाहनों की सरकारी गोदामों से लेकर राशन दुकानों तक ऑनलाइन मॉनिटरिंग की तैयारी है। एनआईसी दिल्ली इस डैशबोर्ड पर काम कर रहा है। बताया गया कि 4 करोड़ 90 राशन हितग्राहियों का ईकेवायसी पहले ही हो चुका था, लेकिन करीब 50 लाख हितग्राहियों का ई-केवायसी नहीं हुआ था। बार-बार सूचना के बाद भी हितग्राही ई-केवायसी के लिए नहीं आ रहे थे। इसके बाद विभाग ने 1 जून से ई-केवायसी अनिवार्य कर दिया है। यानी जिन्होंने ई-केवायसी नहीं कराया है, उन्हें सरकारी उचित मूल्य की दुकान से राशन नहीं मिलेगा। संचालनालय खाद्य नागरिक आपूर्ति के अनुसार अभियान के तहत करीब 50 लाख हितग्राहियों का ई-केवायसी कराना था, लेकिन इनमें से करीब 5 लाख हितग्राही ईकेवायसी के लिए न तो राशन दुकानों पर पहुंचे और न ही क्वांसि सेंटर पर पहुंचे। जिन लोगों ने ई-केवायसी नहीं कराया है, उनमें से ज्यादातर लोग ऐसे हैं, जो दुनिया में ही नहीं हैं, लेकिन उनके नाम से राशन जारी हो रहा है। सालों से यह प्रक्रिया चल रही है। अब इस पर रोक लग गई है। यानी जिन लोगों ने ईकेवायसी नहीं कराया है, उन्हें अब राशन न ही मिलेगा। ईकेवायसी नहीं होने से परिवार के ऐसे सदस्य, जो दुनिया में नहीं हैं। उनके नाम से भी राशन लिया जा रहा था। जिन लोगों के नाम कटे हैं, उनकी जाहद नए नामों को जोड़ा जा रहा है। संचालनालय के अनुसार भारत सरकार ने मग्न में पीडीएस कोट के तहत हितग्राहियों की संख्या तय कर रही है। प्रदेश में पीडीएस हितग्राहियों की संख्या 5.43 करोड़ से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इस वजह से नए हितग्राह्यों के नाम नहीं जोड़े गए। ईकवायसी के अभाव में जिन 5 लाख लोगों के नाम कटे गए है, उनकी जगह नए नाम जोड़े जा रहे हैं।

रवि योग में मनेगी निर्जला एकादशी

सबसे कठोर और पूजनीय व्रतों में से एक है निर्जला एकादशी

भोपाल। निर्जला एकादशी छह जून को शुभ रवि योग छह जून, शुक्रवार को मनाई जाएगी। ऐसी मान्यता है कि साल की सभी 24 एकादशी में निर्जला एकादशी का अधिक महत्व होता है। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि यह व्रत विधिवर्षक करने से साधक को सभी पापों से छुटकारा मिलता है। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार निर्जला एकादशी का बड़ा धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। निर्जला एकादशी शुक्ल पक्ष के दौरान आती है, इसलिए इसे ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी भी कहा जाता है। निर्जला व्रत व्रत



पौने की अनुमति होती है। भक्त भगवान विष्णु से प्रार्थना करते हैं और अत्यधिक भक्ति और शुद्ध समर्पण के

साथ इस व्रत का पालन करते हैं। निर्जला एकादशी पर इन चीजों का करें दान निर्जला एकादशी व्रत का पारण करने के बाद अन्न, धन और कपड़े समेत आदि चीजों का दान जरूर करना चाहिए। इन चीजों का दान करने से व्रत का पूर्ण फल मिलता है। साथ ही भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। बुध मिथुन राशि में करीब प्रवेश, बनेगा दुर्लभ संयोग निर्जला एकादशी के दिन रवि योग बन रहा है और इस दिन बुध ग्रह मिथुन राशि में प्रवेश कर जाएगा, जो कि एक दुर्लभ संयोग है।

राहुल गांधी ने घोषित की पर्यवेक्षकों के लिए गाइडलाइन

15 जुलाई तक होगा कांग्रेस के जिला अध्यक्षों का चयन



भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस के नक्सुजन अभियान के तहत कांग्रेस के नए जिला और शहर अध्यक्षों का चयन 15 जुलाई तक किया जाएगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा सभी पर्यवेक्षकों को यह निर्देश दिया गया है कि उन्हें जो जिला सीमा गया है, वहां पर कम से कम 7 दिन रुककर स्थिति का आकलन करें। इस दौरान किसी नेता के घर मत जाना और किसी के यहां भी भोजन मत करना। मध्य प्रदेश में कांग्रेस के नक्सुजन अभियान का शुभारंभ करते हुए राहुल गांधी ने यह सीख दी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय के समागार में नक्सुजन अभियान के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त किए गए सभी 50 पर्यवेक्षकों से चर्चा करते हुए उन्हें बताया गया कि उन्हें क्या काम करना है और यह काम किस तरह से करना है। राहुल ने कहा कि सभी पर्यवेक्षकों

को 10 से 30 जून के बीच उस जिले का दौरा करना है, जिसकी जिम्मेदारी उन्हें दी गई है। यदि पर्यवेक्षक चाहे तो 10 जून के पहले भी उन्हे दिए गए जिले के दौर पर जा सकते हैं। यह याद रहे कि हर पर्यवेक्षक को कम से कम 7 दिन अपने जिले में रुकना है। राहुल गांधी ने कहा कि इस दौरान कोई भी पर्यवेक्षक किसी नेता के घर पर नहीं जाएगा। कोई भी पर्यवेक्षक किसी के भोज में शामिल नहीं होगा। किसी भी तरह से पक्षपात का संदेश नहीं जाना चाहिए। हमें नई पीढ़ी को आगे लाना है। पर्यवेक्षकों के कामकाज की टाइम लाइन स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि 30 जून तक अपने-अपने जिले का दौरा करने के बाद 15 दिन में आपको जिला अध्यक्ष पद के लिए अपनी सिफारिश देना है। इस हिसाब से 15 जुलाई तक जिला अध्यक्ष पद की अनुशंसा एआईसीसी के पास आ जाना चाहिए।

नक्शा वेब-जीआईएस प्लेटफॉर्म पर राष्ट्रीय

कार्यशाला भोपाल में 5 और 6 जून को

कान्हा नेशनल पार्क में सबसे ज्यादा शाकाहारी जानवर

भोपाल। मग्न के कान्हा नेशनल पार्क में देश के सभी टाइगर रिजर्व की तुलना में सबसे अधिक शाकाहारी वन्यप्राणी पाए गए हैं। यह जानकारी भारतीय वन्य जीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई), देहरादून की हालिया आकलन रिपोर्ट में सामने आई है। कान्हा के डिप्टी डायरेक्टर पुनीत गोयल ने बताया कि पार्क में जैव विविधता भी अच्छी स्थिति में है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के निदेशानुसार फेज-4 के तहत वन्यप्राणियों की गणना की गई। इस गणना में एम-स्टूडिअस इकोलॉजिकल एप और कैमरा ट्रैप का उपयोग किया गया। 26 से 31 मई 2025 के दौरान की गई गणना में पहले तीन दिन साप्ताहारी जीवों की गिनती हुई। अगले तीन दिनों में चीतल, सांबर, बारासिंहा और नीलगाय जैसे शाकाहारी जीवों की गणना की गई। पार्क की 180 चीटस में 245 ट्रांजेक्ट लाइन और 1290 ग्रिड बनाए गए। गाइर्स ने एम-स्टूडिअस एप और कैमरा ट्रैप की सहायता से आंकड़े एकत्र किए। ये आंकड़े विश्लेषण के लिए डब्ल्यूआईआई भेजे गए हैं, और गणना के परिणामों से वन्यप्राणियों की संख्या में वृद्धि की उम्मीद जताई जा रही है। 2000 वर्ग किलोमीटर से भी अधिक क्षेत्र में फैले कान्हा टाइगर रिजर्व में बारासिंघा, गौर, चीतल, बाकिंग डीयर, लंगूर, सांबर और गंगली सुअर प्रमुख रूप से पाए जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, शाकाहारी वन्यप्राणियों की अधिक संख्या के कारण यहां बाघों की आबादी भी मजबूत है।

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या



संकट तो यहां तक

बढ़ गया है कि

प्लास्टिक के क

। पौधों की प्रकाश

संश्लेष । प्रक्रिया को

प्रभावित करने लगे

हैं, जिससे खाद्य

श्रृंखला में शामिल

कई खाद्यान्नों की

उत्पादकता में

गिरावट आ रही है।

ऐसा निष्कर्ष

अमेरिका-जर्मनी

संकेत कई देशों के

साझे अध्ययन के

बाद सामने आया है।

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुन:स्थापना के साझे मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस को थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेजबानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पाने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है। 1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल पारिस्थितिकी दशकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि हलाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए एक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि ईसान व प्रकृति के बीच गहरा



संबंध है। ईसान के लोभ, सूविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत हो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि की रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है।

प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं

संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर जांचि जातीय गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी भी है। जिस बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और

सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं।

माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी।

शोकताओं ने करल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तथा शोध पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? अमेरिका के जियोलाॅजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे

आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही ईसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक के संकट का दूर करने की कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पाने और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। अमेजन एवं फिलीपकाट जैसे आन्गलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग केवल भारत में करते हैं इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त दुनिया के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। संकट का एक पहलु यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरागी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं।

पर्यावरण: धर्म, संस्कृति और जीवन का मूल आधार

जब कोई वृक्ष फल देना बंद कर देता है तो हम उसे काट देते हैं.... यही प्रकृति के प्रति हमारा व्यवहार बन चुका है। पर क्या हमने कभी सोचा है कि हम धरती मां से बिना थके निरंतर लेते ही जा रहे हैं.... जल, वायु, अन्न, ऊर्जा, लेकिन क्या हम उसे कुछ लौटाते हैं? जब धरती 71% पानी से ढकी है और 33% भूमि पर वन होने चाहिए, तब भी यदि सूखा, प्रदूषण और आपदा बढ़ रही है तो यह चेतावनी है कि हमने संतुलन बिगाड़ दिया है।

हमारे ऋषियों-मुनियों ने हजारों वर्ष पहले ही समझ लिया था कि मनुष्य और प्रकृति का संबंध केवल संसाधनों का नहीं, आत्मीयता का है। रामायण में भगवान श्रीराम के वनवास के प्रसंग में यह बताया गया है कि किस प्रकार वे वृक्षों, नदियों और पशु-पक्षियों के साथ सवाद और सम्मानपूर्ण सह-अस्तित्व रखते थे। वेदों में वटवृक्ष, पीपल, तुलसी जैसे पौधों को पवित्र मानकर पूजा करने की परंपरा हमें सिखाती है कि पर्यावरण की रक्षा केवल विज्ञान नहीं, धर्म है।

आज जब हम पर्यावरण दिवस मनाते हैं, तब यह केवल एक दिन की औपचारिकता बनकर रह गया है। स्कूलों में भाषण, सोशल मीडिया पर पोस्ट और एक-दो पौधे



प्रोति हरिद्वार, उत्तराखंड

लगाना....क्या यही पर्याप्त है? वास्तविक कर्तव्य तो यह है कि हर दिन को पर्यावरण दिवस की तरह जिया जाए।

हमारे धर्म ने हमें सिखाया है.... रणचतुर्वर्ष से ही यह शरीर बना है: पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। जब इन तत्वों का अस्मान होता है तो केवल प्रकृति नहीं, हमारा अस्तित्व भी संकट में पड़ जाता है। आज जलवायु परिवर्तन, भूस्खलन, बाढ़, सूखा और महामारी जैसे संकट केवल भौगोलिक नहीं, आध्यात्मिक चेतावनियाँ भी हैं।

पर्यावरण की रक्षा के लिए हमें अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे लेकिन प्रभावशाली बदलाव करने होंगे। जैसे.. हर वर्ष एक पौधा



लगाकर उसकी देखभाल करना, नदियों और जल स्रोतों को पवित्र मानते हुए उन्हें प्रदूषित करने से बचना, प्लास्टिक जैसी हानिकारक चीजों का त्याग कर मिट्टी, कपड़े और जूते के विकल्प अपनाना, भोजन में स्थानीय और मौसमी चीजों को प्राथमिकता देना जो हमारी संस्कृति और स्वास्थ्य दोनों के लिए उपयुक्त है, और साथ ही बच्चों को धार्मिक कथाओं के साथ प्रकृति की कहानियाँ

भी सुनाना—जैसे गंगा का अवतरण, तुलसी का महत्त्व, वनों की महिमा आदि....ताकि वे बचपन से ही प्रकृति से प्रेम करना सीखें।

हमारी संस्कृति ने धरती को माता कहा है.... हमता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्याः२ यह केवल एक वाक्य नहीं, संपूर्ण जीवन-दर्शन है। यदि हम अपने घर को गंदा नहीं करते, तो धरती को क्यों? यदि हम माँ को चोट

नहीं पहुँचाते, तो प्रकृति को क्यों?

आज समय की मांग है कि हम पर्यावरण को केवल एक मुद्दा न मानें, बल्कि अपना धर्म, संस्कार और कर्तव्य बनाएं। आने वाली पीढ़ियों को केवल तकनीक नहीं, एक स्वस्थ और सुंदर पृथ्वी भी चाहिए।

मातृभूमि की सेवा केवल वंदन से नहीं, संरक्षण से होती है। पर्यावरण की रक्षा...हमारी सच्ची भक्ति और भविष्य की सबसे बड़ी पूँजी है।

संपादकीय

कोरोना महामारी के मोर्चे पर सरकार की तैयारियां?

भारत में एक बार फिर कोरोना संक्रमण की र तार तेज हो गई है। केवल 13 दिनों में संक्रमण के मामले 257 से बढ़कर 4026 तक पहुंच गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा ठोस गाइडलाइन या रणनीति सामने नहीं आई है। अस्पतालों में कोविड वार्ड नदारद हैं। ऑक्सीजन सिलेंडरों की किल्लत फिर हो सकती है। पहले से ही जर्जर स्वास्थ्य ढांचा चरमराने की कगार पर है। पीएम केयर फंड के माध्यम से जो अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लगाए गए थे, वे बंद पड़े हुए हैं। सरकार की ओर से अभी तक कोरोना के वायरस और इलाज को लेकर कोई गाइडलाइन जारी नहीं की गई है, जिसके कारण आम लोगों में डर और भय का वातावरण देखने को मिल रहा है। कोरोना की तीसरी लहर के टोटों विनाशकारी अनुभव के बावजूद केंद्र और राज्य सरकारों इस बार पूरी तरह बेपरवाह नजर आ रही हैं। न तो अस्पतालों में कोविड बेड आरक्षित किये गये हैं, ना ही कोरोना वायरस की टेस्टिंग को लेकर कोई दिशा निर्देश अथवा सख्ती शुरू की गई है। कई जिलों में अरटी-पीसीआर जांच सीमित हैं। ऐसे में असल संक्रमण की स्थिति का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो रहा है। सबसे गंभीर चिंता यह है, इस बार कोविड के नए वैरिएंट्स—जैसे जेएन-1, एक्सबीबी.1.16 और बीए.2.86—नेजी से फैल रहे हैं। इन पर पहले की वैक्सीन कारगर नहीं हैं। इसका दावा खुद स्वास्थ्य विभाग कर रहा है। इलाज का कोई निष्कर्ष अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार इस पर कोई संज्ञान लेते नहीं दिख रही है। सरकारी अस्पतालों की हाात ऐसी है, कि वहां सामान्य रोगों को भी ठीक से इलाज नहीं मिल पा रहा है। यदि संक्रमण और फैला तो सरकारी एवं निजी अस्पतालों में कोरोना बीमारी के इलाज के नाम पर मरमानी एक बार फिर आम जनता की जेब पर भारी पड़ेगी। इससे निपटने के लिए

कोई स्पष्ट नीति या तैयारी को लेकर केंद्र सरकार की चुप्पी लोगों को आश्चर्य में डाल रही है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में महामारी से निपटने के लिए पूर्व योजना, संसाधनों का भंडारण, पारदर्शी रिपोर्टिंग एवं केंद्र-राज्यों के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक रहे। दुर्भाग्यवश, यह सब समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक ही सीमित है। अगर अब भी सरकार नहीं जागी, तो देश एक बार फिर उसी अराजकता और भय के दौर में लौट चक्का है, जो दूसरी लहर के समय देखा गया था। कोविड-19 में दूसरी और तीसरी लहर में सबसे ज्यादा मौतें हुई थीं। सरकार ने 4.60 लाख मौत होना स्वीकार की थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा 30.7 लाख मौत भारत में होने की पुष्टि की थी। बीबीसी, टेलीग्राफ और कनाडा के टोरंटो विश्वविद्यालय द्वारा कोरोना महामारी में बीमारियों के जो आंकड़े प्रस्तुत किए थे उसमें भारत में कम से कम 30.7 मौतें होना बताया गया था। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के अनुसार भारत की जनसंख्या के हिसाब से कोरोना में मरने वालों की संख्या 0.3 फीसदी थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे 0.6 माना गया था। 2021 में इस महामारी के कारण जो विनाश हुआ था, उसको देखते हुए भारत से दुनिया के देशों को कोरोना के नए वायरस को लेकर काफी सजग होने की जरूरत है। वह भी तब जब इसकी कोई वैक्सीन नहीं है। अभी तक विश्व स्तर पर इसके इलाज के बारे में कोई गाइडलाइन जारी नहीं हुई है। ऐसे में चिंता और भी बढ़ जाती है। सरकार को तुरंत कोरोना बीमारी के उपचार और संज्ञान बढ़ाने में जुटना है। नए वैरिएंट्स पर वैज्ञानिक समीक्षा, उपचार, कोविड मरीज के लिए अस्पतालों में बेड आरक्षित करना, मु त अंचल, दवाओं की उपलब्धता और जनजागरूकता अभियान चलाना जल्दी से जल्दी शुरू करना होगा। यह समय आशवासनों का नहीं, त्वरित कार्रवाई का है।

आस्था ...

26 जून से पलट सकती है इन राशियों की किस्मत, शुक्र ग्रह करेंगे सूर्य के नक्षत्र में प्रवेश...

वैदिक पंचांग के मुताबिक ग्रह समन- समन पर गोचर करते राशि के साथ नक्षत्र परिवर्तन करते हैं, जिसका प्रभाव मानव जीवन के साथ देश- दुनिया पर पड़ता है। आपको बता दें कि 26 जून को धन के दाता शुक्र ग्रह कृत्तिका नक्षत्र में गोचर करेंगे। इस नक्षत्र के स्वामी सूर्य देव हैं। ऐसे में सूर्य के नक्षत्र में शुक्र ग्रह के नक्षत्र का परिवर्तन कुछ राशियों को लाभप्रद सिद्ध हो सकता है। साथ ही इन राशियों को अपार पैसा के साथ पद-प्रतिष्ठा की प्राप्ति हो सकती है। आइए जानते हैं वे लकी राशियां कौन सी हैं 50 साल बाद त्रिग्रही योग बनने से इन राशियों का शुरू होगा गोल्डन टाइम, सूर्य और बुध ग्रह की रहेगी असीम कृपा, धन- दौलत में अपार बढ़ोतरी के योग सिंह राशि आप लोगों के लिए शुक्र ग्रह का राशि परिवर्तन लाभप्रद सिद्ध हो सकता है। इस दौरान आपको काम- कारोबार में अच्छी तरक्की मिल सकती है। साथ ही व्यवसाय करने वालों को किसी बड़े प्रोजेक्ट या क्लाइंट से लाभ हो सकता है। यह समय कलाकारों और रचनात्मक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए अत्यंत अनुकूल है। वहीं नौकरियां लोगों को पदोन्नति हो सकती है। साथ ही कार्यस्थल पर कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है। वहीं आपकी सोची हुई योजनाएं सफल होंगी। साथ ही

आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। 100 साल बाद बंने भद्र और मालव्य महारुण राजयोग, इन राशियों को मिल सकता है अपार पैसा और पद- प्रतिष्ठा, करियर और कारोबार में मिलेगा भाग्य का सरोवर। आपका शुक्र ग्रह का नक्षत्र परिवर्तन तुला राशि के जातकों को लाभकारी सिद्ध हो सकता है। इस समय आप कोई वाहन या प्रापटी खरीद सकते हैं। साथ ही इस समय आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी हो जाएगी और अटका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। परिवार में खुशियां आएंगी और नौकरी या बिजनेस में तरक्की के रास्ते खुलेंगे। साथ ही इस दौरान व्यापारी वर्ग कोई बड़ी व्यवसायिक डील कर सकते हैं। साथ ही इस दौरान आप देश- विदेश की यात्रा कर सकते हैं। मैं कर्म करने गई थी लेकिन ये पाप हो गया, बारिश में बंदर को दिया छाता, अगले पल वो हवा में उड़ने लगा, उसे कपड़े तक नहीं बदलने दिए जा रहे”, 500 साल बाद शनि वक्की और गुरु होंगे उदित, इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन, नई नौकरी के साथ अपार धनलाभ के योग वृष राशि आप लोगों के लिए शुक्र ग्रह का नक्षत्र परिवर्तन सकारात्मक साबित हो सकता है। इस समय आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी।

मेघः चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

मेघः आज शान्त और तनाव-रहित रहें। जेवर और एंटीक में निवेश फायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। ऐसा कोई जिसके साथ आप रहते हैं, आज आपके किसी काम की वजह से बहुत झुंझलाहट महसूस करेगा। आपकी मसूकराहट आपके प्रिय की नाराजगी दूर करने के लिए छेड़ा होगा। अन्य दिनों की आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। इस राशि के छत्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के वक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

कर्कः ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो ।

कर्कः जिंदगी की और एक उदार रवैया अपनार्। अपने हालात की शिकायत करने और उसे लेकर दुःखी होने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। यह ज्यादा मांगने वाली सोच जीवन की सुगंध को खत्म कर देती है और संतोषी जीवन की आशा का गला घोट देती है। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। नया रूप-रंग, नये कपड़े-लत्ते, नये यार-दोस्त आज का दिन खास बनाएंगे। किसी छोटी-मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोक-झोंक हो सकती है।

तुलाः रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते ।

तुलाः अच्छी चीजों को ग्रहण करने के लिए आपका दिमाग खुला रहेगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। बच्चे को रोमांचक समाचार ला सकते हैं। आपकी प्रेम कहानी आज एक नया मोड़ ले सकती है, आपके साथी आज आपसे शादी को लेकर बात कर सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला लेने से पहले आपको धिवार अवश्य करना चाहिए। दिन की शुरूआत से अन्त तक आप खुद को ऊर्जा से लबरेज महसूस करेंगे।

मकरः भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी ।

मकरः खुद को परिकृत करने की कोशिश कई तरीकों से अपना असर दिखाएंगे— आप खुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। जीवन की गाड़ी को अच्छे से चलाना चाहते हैं तो आज आपको पैसे की आवाजाही पर विशेष ध्यान देना होगा। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। खयाली परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएं। अहम लोगों से बातचीत करते वक़्त अपने आँख-कान खुले रखिए, हो सकता है आपके हाथ कोई क़ीमती बात या धिवार लग जाए।

आज का राशिफल

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, वो ।

वृषभः मौज-मस्ती और मनमस्वद काम करने का दिन है। जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक्कतें आ सकती हैं। बच्चे भविष्य की योजनाएं बनाने की अपेक्षा घर के बाहर ज्यादा समय बिताकर आपको निराश कर सकते हैं। मुहब्बत का सफ़र प्यारा, मगर छेड़ा होगा। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। किसी खबसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अमनार रुक सकती है।

सिंहः मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे ।

सिंहः व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सेहत अच्छी रहेगी। लेकिन इसे हमेशा के लिए सच मानने की गलती न करें। अपनी जिंदगी और सेहत का सम्मान करें। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आलातों को छेड़ने का वक़्त है। जिंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए खुशी का सबब साबित होगा। मुहब्बत का सफ़र प्यारा, मगर छेड़ा होगा। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें।

वृश्चिकः तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू ।

वृश्चिकः धार्मिक याचनाओं के चलते आप किसी तीर्थस्थल की यात्रा करेंगे और किसी संत से कुछ दैवीय ज्ञान प्राप्त करेंगे। किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार/दोस्त घर आ सकते हैं। जिनकी सगाई हो चुकी है, वे अपने मोहोतर से बहुत-सी खुशियां पाएंगे। नौकरों और सहकर्मियों से परेशानी होने की संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता है। आप जिस प्रतियोगिता में भी कदम रखेंगे।

कुंभः गू, गे, गो, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा ।

कुंभः भले ही आप उत्साह से लबरेज हों, फिर भी आज आप किसी ऐसे की कमी महसूस करेंगे जो आज आपके साथ नहीं है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके जरिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। किसी बुजुर्ग रिश्तेदार की निजी समस्याओं में मदद करके आप उनका आशीर्वाद पा सकते हैं। आपका बेपनाह प्यार आपके प्रिय के लिए बेहद क़ीमती है। कार्यक्षेत्र में किसी विषय व्यक्ति से आपकी मिलाकात हो सकती है। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे।

मिथुनः क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा ।

मिथुनः अगर आपकी योजना बाहर घूमने-फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी-खुशी और सुकून भरा रहेगा। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। आपका प्रिय आपको खुश रखने के लिए कुछ ख़ास करेगा। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाखुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक नहीं आ रहे हैं।

कन्याः टो, पा, पी, पू, ष, ण, ट, पे, पो ।

कन्याः मौज-मस्ती और मनमस्वद काम करने का दिन है। आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रॉनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। परंतु काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आपके प्यार के रिश्ते में एक जादूई एक्सास छ रहा है, इसकी खबसूरती महसूस करें। इससे पहले कि वक्क़ि को पता लगे, लौकत काम जल्दी ही निपटा दें। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अच्छे रहे हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। आज आपका खाली वक़्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा।

धनुः ये, यो, भ, भी, भू, घा, फा, डा, भे ।

धनुः किसी ऊँचे और खास इंसान से मिलते समय खराबों नहीं और आत्मविश्वास बनाए रखें। यह सेहत के लिए उतना ही जरूरी है, जितना काम-धंधे के लिए पैसा। दौर्भाग्य मुनाफ़े के नजरिए से स्टॉक और म्यूचुअल फंड में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीजें दिलाएगी। अपनी दीवानगी को काबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम-संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे।

मीनः दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची ।

मीनः किन के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल-कूद को शामिल किया जाना चाहिए। ऐसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बताया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घर में सफ़ा-सफ़ाई की जरूरत तुरंत है। हमेशा की तरह इस काम को अगली बार के लिए न टालें और कमर कस कर जुट जाएँ। जिनकी सगाई हो चुकी है, वे अपने मोहोतर से बहुत-सी खुशियां पाएंगे। बेहतर कामकाज के चलते आपको तारीफ़ मिल सकती है।

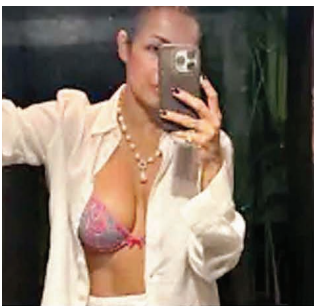
करण ने बुक किया अनन्या-कार्तिक का Valentines Day 2026 का टिकट



फिल्म मेकर करण जोहर ने अपनी नई फिल्म का ऐलान किया है। करण जोहर ने फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज करते हुए फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया है। करण जोहर ने अनन्या पांडे और कार्तिक आर्यन की इस रोमकॉम के लिए 2026 का वैलेंटाइन डे बुक

कर लिया है। फिल्म का टाइटल तू मेरी मैं तेरा तू मेरी है। फिल्म के पोस्ट के ही साफ हो रहा है कि इस फिल्म में जबरदस्त रोमांस का खोज मिले वाला है। करण ने जो फोटो शेयर की है, उसमें कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे एक दूसरे को किस कर रहे हैं और दोनों अपने लिप्स के आगे से एक पासपोर्ट लगाया हुआ है। ये दोनों एक खूबसूरत लोकेशन पर खड़े हैं और दोनों अपनी आंखें बंद कर रखी हैं और पोस्टर से साफ है कि ये एक रोमांटिक जॉनर मूवी होने वाली है।

कार्तिक आर्यन एक बार फिर अपने हैंडसम हक वाले लुक में वापस आ गए हैं और मूवी में उनके साथ उनकी रूमर्ड एक्स गर्लफ्रेंड अनन्या पांडे भी हॉट लुक में दिख रही हैं। करण जोहर ने पोस्टर के साथ कैप्शन में रिलीज डेट का भी खुलासा किया है। करण ने कैप्शन में लिखा, साइन्ड, सील्ड और हमारी रे की रूमी डिलीवरिंग! कार्तिक आर्यन अनन्या पांडे तू मेरी मैं तेरा तू मेरी - अगले वैलेंटाइन पर सिनेमाघरों में 13 फरवरी, 2026। इसका मतलब साफ है कि ये फिल्म अगले साल वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होगी। कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे इस फिल्म से पहले पति-पत्नी और वो में साथ काम कर चुके हैं, जिसमें भूमि पेडनेकर भी अहम रोल में थीं। उस फिल्म में कार्तिक आर्यन अपनी वाइफ भूमि से छुपाकर अनन्या पांडे को डेट करते हैं। कार्तिक और अनन्या पांडे को जोड़ी को लोगों ने पसंद किया था। हालांकि इसके अलावा इन दोनों के अफेयर के भी खूब चर्चे हुए थे, लेकिन कभी इन दोनों ऑफिशियली अपने रिश्ते को स्वीकार नहीं किया था और फिर दोनों के ब्रेकअप की खबरें आई थीं। मगर अब दर्शक एक बार फिर इस एक्स कपल को स्क्रीन पर साथ देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं।



फिल्म मेकर अरबाज खान से तलाक के बाद मलाइका अरोड़ा की लव लाइफ हमेशा से ही न्यूज में रही है। अब एक बार फिर से मलाइका ने अपनी कुछ तस्वीरों की सीरीज शेयर कर बवाल खड़ा कर दिया है। मलाइका अरोड़ा ने अपने लेटेस्ट वेकेशन की तस्वीरों के साथ शेयर की है जो कि काफी तेजी से वायरल हो रही हैं। मलाइका अरोड़ा के इस लेटेस्ट पोस्टर की बात करें तो इसमें मलाइका ने अच्छा खाना और लज्जरी फूड की झलकियां शेयर की हैं। तस्वीरों में मलाइका एक से बढ़कर एक सेक्सी ड्रेस में तस्वीरें विलक कराती दिखाई दे रही हैं। कमेंट सेक्शन में फैंस पृष्ठ ही रहे थे कि अर्जुन कपूर के बाद कोन उनकी इतनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर रहा है कि सेकेंड लास्ट फोटो में मलाइका के एक नहीं बल्कि दो जिगरी यार दिखाई दे जाते हैं। माना जा रहा है कि मलाइका अपने साथ दिखाई दे रहे अपने इस स्पेशल फैंड के साथ वेकेशन पर हैं और वो ही मलाइका की एक से बढ़ कर एक खूबसूरत तस्वीरें विलक कर रहे हैं। हालांकि आपको बता दें कि अर्जुन से बेक अप के बाद अभी तक मलाइका ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कुछ भी ऑफिशियल नहीं किया है। पिछले दिनों मलाइका श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर कुमार सगाकारा के साथ मेव देखती दिखाई दी थीं तो फैंस ने उनके साथ ही मलाइका के अफेयर की गॉसिप्स बना दी थीं। 51 साल की मलाइका अरोड़ा अपने फिटनेस और खूबसूरती के लिए काफी सीरियस रहती हैं। अपनी इस वेकेशन पर भी मलाइका वर्कआउट को पूरा समय दे रही हैं। आखिरी तस्वीर में मलाइका कुर्सी पर बैठकर अपनी एक्सरसाइज करती दिखाई दे रही हैं। बता दें कि मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आप दिन अपनी एक से बढ़कर एक सेक्सी तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। मलाइका का पूरा का पूरा सोशल मीडिया उसके बेहतरीन तस्वीरों से पटा रहता है।

अर्जुन को दफा कर मलाइका ने थामा इस बूढ़े शख्स का हाथ

कुएं में कूद जाऊंगी लेकिन बिग बॉस में नहीं जाऊंगी: चाहत खन्ना

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान का चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस हमेशा चर्चा में रहता है, इस शो को 18 सीजन आ चुके हैं और सभी को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है, इन दिनों बिग बॉस 19 को लेकर लगातार अपडेट मिल रहे हैं, बीते दिनों इस शो के अगले सीजन में शामिल होने वाले स्टार्स की एक लिस्ट सामने आई थी, हालांकि, मेकर्स की तरफ से शो शुरू होने से पहले कभी लिस्ट अनाउंस नहीं की जाती है लेकिन सोशल मीडिया पर इस तरह के नाम सामने आते रहते हैं, इसी बीच टीवी इंडस्ट्री की एक पॉपुलर एक्ट्रेस ने सलमान खान के शो के लिए बहुत बड़ी बात कह दी है, आइए जानते हैं कि ये एक्ट्रेस कौन है और क्या कहा है।

चाहत खन्ना ने बिग बॉस की जमकर बुराई

टीवी एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने नवभारत टाइम्स से बात की थी, इस दौरान उन्होंने बिग बॉस में जाने के सवाल पर रिएक्शन दिया है, चाहत खन्ना ने कहा, मुझे इस शो का ऑफर तो हर साल आता है लेकिन मैं कभी ना जाऊं, मुझे अगर मौका मिला तो मैं कुएं में कूद जाऊंगी लेकिन बिग बॉस में कभी नहीं जाऊंगी, मैं ये भी बात जानती हूँ कि वो कितना घबराहट रचकर बैठे होंगे, वो मेरे पास की धजियां उड़ा देंगे, मेरे पास अगर कभी खान के लिए पैसे नहीं होंगे तो मैं कहीं नौकरी कर लूंगी लेकिन बिग बॉस में कभी नहीं जाऊंगी।

चाहत खन्ना कर रही हैं खुद का काम

बताते चलें कि चाहत खन्ना ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि वह टीवी से काफी समय से दूर हैं और इसमें काम नहीं करता चाहती हैं, उन्होंने बताया है कि उन्हें उनके मुताबिक ऑफर और पैसे नहीं मिल रहे हैं इसलिए उन्होंने खुद का काम शुरू कर दिया है, चाहत खन्ना ने बताया कि वह अपने काम में अंध कर रही हैं और बिजनेस वुमन बनकर घर और काम दोनों संभाल रही हैं, ऐसी ही एंटरटेनमेंट की लेटेस्ट खबरों के लिए बॉलीवुडलाइफ के साथ बने रहिए।



दीपिका के सपोर्ट में आए मणिरत्नम



दीपिका पादुकोण फिल्म स्पिरिट से एग्जिट के बाद से ही खबरों में हैं, खबरें हैं कि दीपिका की डिमांड्स की वजह से संदीप रेड्डी वांगा ने उन्हें फिल्म से निकाल दिया था, ऐसा कहा जा रहा है कि दीपिका ने कई डिमांड्स की थी, उनमें से एक थी आठ घंटे की शिफ्ट, दीपिका की आठ घंटे की शिफ्ट की डिमांड पर पहले अजय देवगन ने उनका सपोर्ट किया, अब डायरेक्टर मणिरत्नम उनके सपोर्ट में आ गए हैं, न्यूज 18 से बातचीत में मणिरत्नम ने कहा, %मुझे लगता है कि ये सही डिमांड है, मुझे खुशी है कि वो इस पॉजिशन में है कि ये डिमांड कर सकती है, मुझे लगता है कि फिल्ममेकर के तौर पर जब आप कास्ट करते हैं तो आप इसे कंसीडर कर सकते हैं, ये गलत चीज नहीं है, बस जरूरी होनी चाहिए, मुझे लगता है कि ये प्रायोरिटी होनी चाहिए, आपको इसे समझना होगा और इसी के इर्द-गिर्द काम करना होगा, %बता दें कि इससे पहले अजय देवगन ने भी दीपिका का सपोर्ट किया था, उन्होंने कहा था, %ऐसा नहीं है कि ये लोगों को पसंद नहीं आ रहा है, बहुत से फिल्ममेकर को इससे दिक्कत नहीं है, और सबसे हटकर मां के तौर पर आठ घंटे काम करने की डिमांड गलत नहीं, बहुत से लोगों ने ने आठ से नौ घंटे की शिफ्ट शुरू कर दी है, %कुछ दिन पहले ही संदीप रेड्डी वांगा ने दीपिका को फिल्म स्पिरिट से निकाला था, इसके बाद उन्होंने तुषि हिमरी को साइन कर लिया था, इसके बाद फिल्म की स्क्रिप्ट को लेकर खबरें आईं, फिल्म की कहानी सामने आई थी, इस पर संदीप रेड्डी वांगा ने झू पर पोस्ट करके गुस्सा जाहिर किया था, उन्होंने बिना नाम लिए दीपिका पर स्क्रिप्ट लीक करने का आरोप लगाया था।



वेदांग रैना ने खुशी कपूर संग सेलिब्रेट किया अपना बर्थडे

बीते रविवार एक्टर ने अपना 25वां बर्थडे सेलिब्रेट किया था, उन्होंने अपना ये खास दिन करीबी दोस्तों और अपनों के साथ लंदन में मनाया, दिलचस्प बात ये है कि वेदांग के बर्थडे बैश में उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड खुशी कपूर भी शामिल हुई थी, इसी के साथ दोनों के अफेयर के रूमर्स भी एक बार फिर तेज हो गए हैं, हालांकि दोनों ने कभी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की, लेकिन जश्न की इनसाइड तस्वीर ने नई अटकलों को हवा दे दी है

वेदांग रैना आखिरी बार आलिया भट्ट के साथ जिगरा में नजर आए थे, बीते रविवार एक्टर ने अपना 25वां बर्थडे सेलिब्रेट किया था, उन्होंने अपना ये खास दिन करीबी दोस्तों और अपनों के साथ लंदन में मनाया, दिलचस्प बात ये है कि वेदांग के बर्थडे बैश में उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड खुशी कपूर भी शामिल हुई थी, इसी के साथ दोनों के अफेयर के रूमर्स भी एक बार फिर तेज हो गए हैं, हालांकि दोनों ने कभी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की, लेकिन जश्न की इनसाइड तस्वीर ने नई अटकलों को हवा दे दी है, वेदांग और खुशी की कॉमन फ्रेंड करीमा बेरी ने एक्टर के बर्थडे बैश की इनसाइड तस्वीरें अपने इंस्टा स्टोरी पर शेयर की हैं, तस्वीर में वेदांग और खुशी ब्लैक में ट्वीनिंग करते हुए एक-दूसरे के करीब खड़े नजर आए, इस दौरान वेदांग के सामने टेबल पर दो चॉकलेट केक नजर आ रहे हैं जिन्हें वे काटते हुए देख रहे हैं वहीं खुशी साथ में खड़ी हुई ताली बजाते हुए हेप्पी बर्थडे सॉन्ग गाती हुई नजर आ रही हैं, इस जोड़ी की ये प्यारी तस्वीर अब इंटरनेट पर वायरल हो रही है, हालांकि वेदांग और खुशी ने अपने रिश्ते के बारे में चुप्पी साध रखी है, लेकिन फैंस को दोनों के रिलेशनशिप में होने के छोटे-छोटे हिंट मिलते ही रहते हैं, हाल ही में, खुशी को सुझियों के दौरान वेदांग के नाम वाला ब्रेसलेट पहने देखा गया, जिससे उनके रिश्ते के बारे में और चर्चा शुरू हो गई थी, वहीं काजार इंडिया से पहले बात करते हुए, खुशी ने डेटिंग रूमर्स को लेकर कहा था, यह मेरे लिए निश्चित रूप से नया है, और यह ऐसा कुछ नहीं है जिसके बारे में मुझे पहले बहुत सोचना पड़ा हो, मैं चाहती हूँ कि मेरा काम मेन फोकस हो... मुझे लगता है कि अपने निजी जीवन को निजी रखना सबसे अच्छा है, वहीं वेदांग ने लक्के के साथ 2024 के इंटरव्यू में इसी टॉपिक पर बात की थी उन्होंने कहा था, फ्रमेरी डेटिंग लाइफ अभी पीछे चल रही है क्योंकि मैं अपने करियर पर ध्यान दे रहा हूँ... मैं जहां हूँ, उसको एंजॉय कर रहा हूँ, और मुझे और भी बहुत कुछ हासिल करना है।

संक्षिप्तसमाचार

द्वारचार से पहले अचानक गायब हो गया दूल्हा, मायूस हुई दुल्हन, लौट गई बारात

रायबरेली, एजेंसी। यूपी के रायबरेली जिले में थाना क्षेत्र के एक गांव में बारात आई और उसका स्वागत-सत्कार शुरू हुआ। लड़की वालों की तरफ से द्वारचार का बुलावा आया तो दूल्हा ही गायब हो गया। दोनों पक्षों ने दूल्हे की खोजबीन शुरू की, लेकिन उसका पता नहीं चल पाया। आखिर बारात लौट गई। बछरावां थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार की रात बाराबंकी के थाना हैदरगढ़ क्षेत्र के एक गांव से बारात आई। बारात पहुंचते ही लड़की वालों ने उनका स्वागत सत्कार शुरू कर दिया। इसके बाद शादी की रस्में शुरू करने की तैयारी शुरू हो गई। अब द्वारचार पूजा के लिए बारातियों के लिए लड़की पक्ष से बुलावा आ गया। इसी बीच जनवासे से अचानक दूल्हा गायब हो गया। वर और वधू पक्ष के लोग दूल्हे को तलाशना शुरू कर दिया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पाया। दूल्हे के मोबाइल पर जब फोन किया गया तो वह रिवॉय ऑफ बता रहा था। सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर कर मामले को शांत कराते हुए दूल्हे की खोजबीन शुरू की। पुलिस ने दूल्हे के घर थाना हैदरगढ़ तक तलाश की, लेकिन दूल्हा घर पर भी मौजूद नहीं मिला। दूल्हे के गायब होने से दोनों पक्षों में मायूसी छा गई। दुल्हन मेहंदी लगाए दूल्हे का इंतजार करती रही। दूल्हे के परिजन भी बिना दुल्हन के लौट गए। थानाध्यक्ष पंकज त्यागी ने बताया कि इस मामले में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलेगी तो मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

राजद के मनोज झा ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, विशेष सत्र की मांग को लेकर आवाज बढ़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज कुमार झा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर ऑपरेशन सिंदूर और इसके भू-राजनीतिक, सैन्य और घरेलू निहितार्थों पर विचार-विमर्श के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया है। अपने पत्र में झा ने कहा कि नागरिक बढ़ते धुवीकरण के बीच संगठित अराजकता को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने लिखा, उन्हें लग रहा है कि उन्हें अपने देश के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में अंधेरे में छोड़ दिया गया है, चाहे वह सीमा पार आतंकवाद का जवाब हो या इसके भू-राजनीतिक निहितार्थ। राजद नेता ने विदेशी हस्तक्षेप, रणनीतिक शासन ढांचे, मीडिया सुधार और सैन्य अभियानों के राजनीतिकरण जैसे मुद्दों पर संसदीय विचार-विमर्श की आवश्यकता पर जोर दिया। अपने पत्र में, राज्यसभा सदस्य झा ने कहा कि वह ‘‘भारतीय नागरिकों की चिंताओं और भावनाओं को व्यक्त कर रहे हैं, जो महसूस कर रहे हैं कि उन्हें अपने देश के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में अंधेरे में रखा गया है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘वे ‘संगठित अराजकता’ के बारे में चिंतित हैं, जो पहले से ही धुवीकृत समाज को गंभीर क्षति पहुंचा सकती है। मैं आपसे अनुरोध कर रहा हूँ कि पाकिस्तान के खिलाफ हालिया सीमा-पार अभियानों, उनके प्रभावों और आगे की रणनीति पर चर्चा करने के लिए संसद का एक विशेष सत्र बुलाया जाए।’’ कई विपक्षी दल पहलगाम आतंकी हमले के बाद से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहे हैं। हाल में ‘ऑपरेशन सिंदूर’ पर हुई सर्वदलीय बैठक में भी यह मांग उठायी गयी थी। राजद नेता ने कहा कि सत्र के एजेंडे में भारत की संप्रभु विदेश नीति के मामलों में ‘दूसरे देशों की सरकारों के हस्तक्षेप’’ का मुद्दा शामिल होना चाहिए। झा ने कहा कि अभियान शुरू होने के बाद से टंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने का कम से कम 12 बार श्रेय लिया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विशेष सत्र शीघ्र ही बुलाया जाएगा।

ये कुल्लू कौन है? जिसे खोजने के लिए इंजीनियर ने रखा इनाम; 130 जगह चरपा करार पोस्टर

प्रयागराज, एजेंसी। देशी कुत्ते कुल्लू को बंदरों ने ऐसा काटा कि जल निगम के इंजीनियर पुष्कर गोवाल नौ दिनों से व्यथित हैं। व्यथा ऐसी कि उसको ढूँढ़ने वाले को उन्होंने दस हजार रुपये इनाम देने की घोषणा तक कर दी है। इसके लिए ना केवल प्रयागराज शहर भर में उन्होंने 130 स्थानों पर पोस्टर चरपा करार है बल्कि अपने फतेहपुर कार्यालय से छुट्टी लेकर कुल्लू को ढूँढ़ने में लगे हैं। इंजीनियर के इस कुल्लू प्रेम की खूब चर्चा हो रही है। उधर, इंजीनियर पुष्कर कुल्लू को ढूँढ़ने के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं। तीन वर्ष पहले पुष्कर झूंसी के कटका कार्यालय में कार्यरत थे। उनके आने जाने के दौरान कार्यालय के गेट पर कुल्लू अवसर खड़ा हो जाता था। फिर उन्होंने उसे खाना खिलाना शुरू किया। दो-तीन दिनों में ही दोनों के बीच ऐसा लगाव हुआ कि पुष्कर रोजाना घर से खाना लाकर कुल्लू को खिलाते लगे। कुछ दिन पहले वह खाना खिलाते पहुंचे तो कुल्लू नहीं दिखा। कुल्लू को न पाकर वह परेशान हो गया। उन्होंने आसपास पता किया। लोगों से पता चला कि बंदरों ने उसका पैर बुरी तरह से काट डाला है। कुल्लू जखमी हो गया है। तब इंजीनियर ने कुल्लू को ढूँढ़ना शुरू कर दिया। ढूँढ़ते-ढूँढ़ते कुल्लू मिला, तब पुष्कर उसे म्योराबाद में रक्षा नामक एनजीओ चलाने वाली वरिष्का के पास इलाज के लिए ले गए। कोई उपचार संभव नहीं होने पर पुष्कर ने कटरा के पशु चिकित्सक डॉ.एके सिंह से संपर्क किया।

एक साथ, एक मंच पर फिर दिखे दोनों पवार एनसीपी के विलय की अटकलों के बीच मुलाकात?



मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की सबसे बड़ी पॉलिटिकल फैमिली पवार परिवार से जुड़ी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों धड़ों के विलय की अटकलों के बीच एनसीपी के संस्थापक शरद पवार और दूसरे खेमे के नेता और राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार यानी दोनों चाचा-भतीजा एक बार फिर एक मंच पर एक साथ दिखे हैं। इस बार दोनों नेताओं की मुलाकात पुणे में हुई। दोनों ही नेता पुणे के वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट में चीनी उद्योग और कृषि क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर एक सेमिनार में एक साथ देखे गए। उच्च पदस्थ सुत्रों के हवाले से इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में कहा गया है कि मंच साझा करने के अलावा शरद पवार, अजित पवार और एनसीपी (सपा)के नेता जयंत पाटिल ने अलग-अलग बातचीत भी की। हालांकि, दोनों पक्षों ने इस मुलाकात पर कहा है कि इसमें कुछ भी राजनीतिक नहीं था। उस कार्यक्रम में एनसीपी के दिलीप वाल्से पाटिल, एनसीपी (सपा) के राजेश टोपे और संस्थापक नेता बालासाहेब थोराट भी शामिल हुए थे।

मई में भी दो बार मिल चुके दोनों पवार : एक मंच पर एक्के सालों से सोनियर और जूनियर पवार की मौजूदगी ने महाराष्ट्र के सियासी जगत में सरगमी बढ़ा दी है और सभी को अनुमान लगाने पर मजबूर कर दिया है कि क्या दोनों गुट एकजुट होने जा रहे हैं? हालांकि, शरद

विलय पर चर्चा से इनकार : दूसरी तरफ, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) नेता अनिल देशमुख ने शरद पवार और उनसे अलग हुए भतीजे अजित पवार के बीच हाल में हुई बैठकों के बाद दोनों की अगुवाई वाले दलों के विलय की अटकलों को तवज्जी नहीं देते हुए

सोमवार को कहा कि दोनों गुटों के साथ आने पर कोई चर्चा नहीं हुई। देशमुख ने कहा, ‘‘दोनों राकापा के फिर से एक होने पर कोई चर्चा नहीं हुई है। दोनों नेता चीनी और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े मुद्दों पर अलग-अलग मौकों पर मिलते रहते हैं। दोनों गुटों के विलय पर कोई चर्चा नहीं हुई है।

राज्य के पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि ऐसी बैठकें होती रहती हैं। राज्य में लिंबित निकाय चुनावों के मुद्दे पर देशमुख ने कहा कि चुनाव उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुसार होना चाहिए। उन्होंने कहा, ‘‘स्वच्छ पेयजल और सरकार से जुड़े मुद्दे लिंबित हैं, चुनावों में और देरी नहीं होनी चाहिए।’’ बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) सहित कई नगर निकायों के चुनाव लंबे समय से लिंबित हैं। पिछले माह उच्चतम न्यायालय ने राज्य निर्वाचन आयोग को चार माह के भीतर निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया था। रायगढ़ और नासिक के प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति नहीं किए जाने के मुद्दे पर देशमुख ने कहा, ‘‘यह निराशाजनक है कि प्रमुख प्रशासनिक पद खाली हैं। हमें बेहतर शासन के लिए एक साथ आने और इसे हल करने की आवश्यकता है।’’उन्होंने किसानों की वास्तविक समस्याओं को लेकर कहा, ‘‘उन्होंने (सरकार ने) कर्ज माफी का वादा किया था, लेकिन कुछ नहीं किया गया। सरकार को केवल बातें नहीं करनी चाहिए, बल्कि काम करना चाहिए।’’

मैरिज ब्यूरो चलाने वाली का लूट कांड, पति की दूसरे से करा दी शादी, 7 लाख लूटे

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक अजीबों गरीब मामला सामने आया है। मैरिज ब्यूरो चलाने वाली महिला ने अपने ही पति की दूसरी युवती से शादी करवा दी। महिला ने युवती को पति की प्रोफाइल भेज कर उसे सरकारी टीचर बताया। युवती को रिश्ता पसंद आया और उसने युवक से शादी कर ली। शादी के बाद पीड़िता से लगभग 7 लाख रुपये लेकर आरोपी पति अपनी पहली पत्नी के साथ फरार हो गया था। मैरिज ब्यूरो की आड़ में अपने ही पति का सौदा कर लाखों की ठगी करने वाली सतनाम मैरिज ब्यूरो संचालिका समेत आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की रिश्तागत के बाद पुलिस ने 2 दिन के अंदर ठग दंपति को ढूँढ निकाला। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, राजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण की रहने वाली युवती ने जुलाई 2024 में एक मैरिज ब्यूरो में शादी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। इस मैरिज ब्यूरो को चित्रा चलाती थी। शुरू में कुछ प्रोफाइल दिखावे के बाद जब कोई लड़का पसंद नहीं आया तो चित्रा ने युवती को अपने ही पति संजय चौधरी का प्रोफाइल भेज दिया। संजय को उसने सरकारी शिक्षक बता दिया।

चीन ब्रह्मपुत्र का पानी भारत की तरफ रोक दे तो? यह पूरी तरह से एक काल्पनिक और तथ्यहीन नैरेटिव है-हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पाकिस्तान द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को लेकर फैलाए जा रहे भय को खारिज करते हुए तथ्यों के साथ करारा जवाब दिया है। शर्मा ने स्पष्ट किया कि ब्रह्मपुत्र भारत में बढ़ती है, घटती नहीं और चीन द्वारा इसके प्रवाह को रोकने की आशंका बेबुनियाद है। मुख्यमंत्री का यह बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार राणा एह्सान अफजल के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर भारत पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करता है, तो चीन भी भारत के लिए ब्रह्मपुत्र का पानी रोक सकता है। अफजल ने जियो न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा, अगर भारत पाकिस्तान की तरफ पानी रोकने जैसा कदम उठता है, तो चीन भी यही कर सकता है। लेकिन अगर ऐसा होने लगा, तो पूरी दुनिया युद्ध की स्थिति में आ जाएगी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत द्वारा सिंधु जल संधि से निर्णायक रूप से हटने के बाद, पाकिस्तान



अब एक नया काल्पनिक डर गढ़ रहा है- ‘अगर चीन ब्रह्मपुत्र का पानी भारत की तरफ रोक दे तो?’ यह पूरी तरह से एक काल्पनिक और तथ्यहीन नैरेटिव है। मुख्यमंत्री ने भौगोलिक और जलविज्ञान से जुड़े तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि ब्रह्मपुत्र के कुल जलप्रवाह का केवल 30-35प्रतिशत हिस्सा चीन के तिब्बत क्षेत्र से आता है, वो भी मुख्यतः ग्लेशियर के पिघलने और सीमित वर्षा के कारण। उन्होंने बताया कि इस नदी की 65-70प्रतिशत जलधारा भारत में उत्पन्न होती है, जिसमें पूर्वोत्तर भारत के राज्यों - अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैंड और

मेघालय - में होने वाली मूसलधार मॉनसूनी वर्षा और इसकी कई सहायक नदियां मुख्य भूमिका निभाती हैं। सीएम ने कहा, ब्रह्मपुत्र की शक्ति भारत में प्रवेश के बाद ही बढ़ती है। इंडो-चीन बॉर्डर (तृतिंग) पर इसका प्रवाह मात्र 2,000-3,000 घन मीटर/सेकंड होता है, जबकि असम के मैदानी इलाकों (जैसे गुवाहाटी) में मॉनसून के दौरान यह बढ़कर 15,000-20,000 घन मीटर/सेकंड तक पहुंच जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर चीन वाकई ब्रह्मपुत्र का प्रवाह कुछ कम भी कर दे तो इससे भारत को फायदा ही हो सकता है, खासकर असम में हर साल आने वाली बाढ़ को लेकर। बता दें कि चीन ने अभी तक कोई किसी मंच पर ब्रह्मपुत्र को लेकर कोई बयान नहीं दिया है। असम सीएम ने आगे कहा, हर साल असम में लाखों लोग बाढ़ से बेघर होते हैं और आजीविका प्रभावित होती है। अगर चीन थोड़ी बहुत जलधारा रोकें भी (जो बात न के बराबर संभावना है), तो यह भारत के लिए बाढ़ नियंत्रण में सहायक हो सकता है।

हमने सभी महिला आवेदकों को वित्तीय लाभ देकर गलती की : अजित पवार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार ने सोमवार को माना कि पिछले साल शुरू हुई लाडकी बहिन योजना के तहत वित्तीय सहायता का भुगतान सभी महिला आवेदकों को कर बड़ी चूक हुई है। पवार ने कहा कि जांच के माध्यम से इस गलती को ठीक किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही सहायता प्राप्त हो। उन्होंने इस चूक के लिए जल्दबाजी में योजना के क्रियान्वयन को जिम्मेदार ठहराया। लाडकी बहिन योजना की घोषणा पिछले साल नवंबर में हुए राज्य विधानसभा

चुनाव से कुछ महीने पहले की गई थी। वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाल रहे पवार ने बारामती में संवाददाताओं से कहा, हमने सभी महिला आवेदकों को वित्तीय लाभ देकर गलती की। हमारे पास आवेदनों की जांच करने और अयोग्य लोगों की पहचान करने के लिए बहुत कम समय था। उस समय, दो से तीन महीने में चुनावों की घोषणा होनी थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि महिलाओं के बैंक खातों में जमा धनराशि वापस नहीं ली जाएगी। पवार ने कहा, जब इस योजना की शुरुआत की गई थी, तो सरकार ने अपील की थी कि केवल पात्र महिलाएं ही आवेदन करें, लेकिन ऐसा



नहीं हुआ। इसकी जांच की जा रही है। केवल जरूरतमंद महिलाओं को ही मासिक सहायता राशि मिलेगी। **संजय राउत ने मांग इस्तीफा** : अजित पवार के इस गलती की बात स्वीकार करने के बाद शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत ने उनके इस्तीफे की मांग की है। राउत ने आरोप लगाया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता पवार के नेतृत्व वाले वित्त विभाग ने वोटों की खातिर सरकारी धन की लूट को बढ़ावा दिया। मुख्यमंत्री मांजी लाडकी बहिन योजना 17 अगस्त 2024 को शुरू की गई थी, जिसका लक्ष्य 21 से 65 साल की आयु की उन महिलाओं को सहायता प्रदान करना

है, जिनकी अधिकतम वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से कम है। आवेदकों को सितंबर महीने से लाभ मिलना शुरू हो गया था। **गोमंजेर साबित हुई थी योजना** : इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये की मासिक सहायता राशि दी जाती है। माना जाता है कि इस योजना ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति गठबंधन की जीत में अहम भूमिका निभाई। महिला एंव बाल विकास मंत्रालय ने हाल ही में 2,289 सरकारी कर्मचारियों की पहचान की, जिन्होंने गरीब महिलाओं के लिए बनाई गई इस योजना का लाभ उठाया था।

ग्रेटर नोएडा सेक्टर-2 में गरजे बुलडोजर, 100 करोड़ की 10 हजार वर्गमीटर जमीन कब्जा मुक्त

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम ने पतवाड़ी गांव के पास बने सेक्टर-2 में 10 हजार वर्गमीटर जमीन पर हुए अवैध निर्माण पर सोमवार को बुलडोजर चला दिया। टीम ने अवैध निर्माण ढहकर 10 आवंटियों को प्लॉट दिला दिए। यहां कब्जा मुक्त जमीन की कीमत 100 करोड़ रुपये आंकी गई है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की आवासीय योजना के अंतर्गत 10 आवंटियों को ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-2 के डी ब्लॉक में भूखंड आवंटित किए गए थे, लेकिन उक्त हिस्से की जमीन पर गांव के लोगों द्वारा अवैध निर्माण करने के चलते आवंटियों को कब्जा नहीं दिया जा सका। आवंटी प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार से मिले। सीईओ के निर्देश पर प्राधिकरण की टीम पतवाड़ी गांव में पहुंची और खसरा संख्या-1150 की लगभग 10 हजार वर्गमीटर जमीन पर हुए अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाकर उसे ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण की टीम ने सेक्टर-2 के डी ब्लॉक में 10 आवंटियों को उनके भूखंड पर कब्जा दिला दिया। 16 सालों के लंबे इंतजार के बाद भूखंड पर कब्जा मिलने से आवंटियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। अवैध निर्माण टूटने से सेक्टर की नौ और 18 मीटर चौड़ी सड़क बनाने और हरित क्षेत्र विकसित करने का रास्ता भी साफ हो गया। हजौपुर-वाजिदपुर में अवैध इमारतें सील नोएडा प्राधिकरण की अवैध इमारतों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। प्राधिकरण ने हजौपुर और वाजिदपुर में सोमवार को कुछ इमारतों पर अवैध लिखवाकर उन्हें सील किया। अधिकारियों का कहना है कि अवैध इमारतों को जल्द तोड़ा जाएगा। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि वर्क सर्किल-9 के अंतर्गत नगली वाजिदपुर में खसरा नंबर-72, 168, 188, 197 और 204 पर सीलिंग की कार्रवाई की। वर्क सर्किल-8 के अंतर्गत हजौपुर गांव के खसरा नंबर-237 की जमीन पर अवैध से बृहमंजिला भवनों का निर्माण हो रहा था। इन इमारतों को सील कर अवैध लिखवाया गया। अधिकारियों ने बताया कि संबंधित खसरा नंबर पर जो लोग निर्माण कर रहे थे, उनको पूर्व में कई बार नोटिस दिए गए, लेकिन उन्होंने निर्माण कार्य बंद नहीं किया। अब सीलिंग की कार्रवाई की गई।

भारत को मिलने वाले हैं और एस-400 , ऑपरेशन सिंदूर में किया था पाकिस्तान का प्लान फ्लॉप



अत्याधुनिक वायु रक्षा प्रणाली है, जो लंबी दूरी पर कई हवाई खतरों से निपटने में सक्षम है। तीन स्काइन की आपूर्ति पहले ही की जा चुकी है। रक्षा सहयोग के संभावित विस्तार को लेकर बाबुशिकन ने आगे बातचीत के इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा, हम वायु रक्षा प्रणालियों पर वार्ता को आगे बढ़ाने

पर चर्चा करने के लिए इस साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए तैयार हैं। बाबुशिकन ने मौजूदा वैश्विक सुरक्षा परिवेश में इस तरह के सहयोग के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला। झेन के बढ़ते खतरे का जिक्र करते हुए, खास तौर पर भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान उनके व्यापक इस्तेमाल के

केंद्रीय गृह सचिव ने मणिपुर के राज्यपाल से सीमा पर बाड़ लगाने, कानून व्यवस्था के मुद्दे पर चर्चा की

इंफाल, एजेंसी। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय केंद्रीय दल ने सोमवार को मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में दो राहत शिविरों का दौरा किया। मणिपुर गृह विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि चुराचांदपुर जिले के वेंग में असम राइफलस के हेलीपैड पर उतरने के बाद केंद्रीय दल न्यू लामका के डोरकास वेंग में एक राहत केंद्र गया, जहां गृह सचिव ने बच्चों के लिए एक क्रेच सुविधा और महिलाओं के लिए सिलाई कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इन दोनों कार्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को सहायता और सशक्त बनाना है। बयान में कहा गया है कि केंद्रीय गृह सचिव और मणिपुर के राज्यपाल के बीच सोमवार को बैठक हुई जिसमें आसुचना ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन कुमार डेका, मणिपुर के मुख्य सचिव, मणिपुर सरकार के सुरक्षा सलाहकार और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बयान में कहा गया है, ‘‘बैठक में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) के लिए राहत एवं पुनर्वास प्रयासों, सीमा पर बाड़ लगाने और शिविरों में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों से बातचीत की और दोनों शिविरों की स्थिति का संबंधित प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया।’’ बयान के अनुसार, बैठक के दौरान पर्वतीय क्षेत्रों एवं चाटो दोनों में आईडीपी के लिए जारी राहत उपायों की समीक्षा की गई और



विस्थापित व्यक्तियों को प्रदान की जा रही वर्तमान सुविधाओं, पुनर्वास प्रयासों की स्थिति और उनके स्थायी पुनर्वास के लिए दीर्घकालिक योजना का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। बैठक में भारत-म्यांमा सीमा पर बाड़ लगाने के कार्य में प्रगति और राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी विचार-विमर्श किया गया। इससे पहले सोमवार को केंद्रीय गृह सचिव और आईबी निदेशक के नेतृत्व में केंद्रीय टीम ने चुराचांदपुर में दो राहत शिविरों में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों से बातचीत की और दोनों शिविरों की स्थिति का निरीक्षण किया। टीम ने डोरकास वेंग में राहत केंद्र का दौरा किया, जहां केंद्रीय गृह सचिव ने बच्चों के लिए एक ‘क्रेच’ सुविधा और महिलाओं के लिए सिलाई कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

पंजाब के कोच पोंटिंग ने बताई फाइनल में आरसीबी से हार की वजह



अहमदाबाद। पंजाब किंग्स के मुख्य को रिकी पोंटिंग ने माना कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल के फाइनल में लक्ष्य का पीछ करते हुए उनकी टीम को मध्यक्रम में अनुभव की कमी का खामियाजा भुगतना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल कप्तानों में शामिल इस पूर्व बल्लेबाज ने हालांकि उम्मीद जताई कि टीम के युवा खिलाड़ी भविष्य में अच्छे प्रदर्शन करेंगे। आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स का प्रभावशाली प्रदर्शन फाइनल में आरसीबी से छह रन की हार के साथ समाप्त हुआ। आरसीबी ने इसके साथ ही आईपीएल ट्रॉफी जीतने का 18 साल लंबा

इंतजार खत्म किया। जीत के लिए 191 रन के लक्ष्य का पीछ करते हुए पंजाब की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। शशांक सिंह (30 गेंदों में नाबाद 61 रन) ने आखिरी ओवरों में आक्रमक अर्धशतक जड़ा लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी का साथ नहीं मिला। पोंटिंग ने मैच के बाद कहा, शायद थोड़ी सी अनुभवहीनता के कारण हमें हार का सामना करना पड़ा। मध्यक्रम में थोड़ा सा अनुभव शायद हमारी मदद कर सकता था। मुझे पता है कि वे आगे चलकर हमारे लिए कई मैच जीतने जा रहे हैं। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल रही लेकिन मैच के

आगे बढ़ने के साथ यह धीमी होती चली गई। पोंटिंग ने हालांकि हार के लिए कोई बहाना बनाने से इनकार कर दिया। उनसे जब दूसरी पारी में पिच के बदले मिजाज के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। हम कोई बहाना नहीं बनाना चाहते हैं। शशांक ने मैच के बाद कहा कि यह पूरे सत्र की सबसे अच्छी विकेट (बल्लेबाजी के लिए बेहतर पिच) थी। उन्होंने कहा, हमने मैच के अहम चरण में लय गांवा दी। हम पावरप्ले के आखिरी ओवरों में थोड़ा पिछड़े लगे थे। हमने इसके बाद जरूरी मौकों पर अपने अहम विकेट गंवा दिए। पोंटिंग ने कहा कि उनकी टीम

आरसीबी को 190 रन पर रोककर संतुष्ट थी। उन्होंने कहा, आरसीबी को भी लगा होगा कि उन्होंने थोड़े कम रन बनाये हैं। हम 190 के करीब के लक्ष्य का पीछ करने को लेकर खुश थे। हम हालांकि लक्ष्य का पीछ करते समय अच्छ नहीं खेल सके। पोंटिंग ने कहा कि वह इस अभियान को संतोष के साथ देखेंगे। उन्होंने कहा, मैंने सत्र शुरू होने से पहले मुंबईपुर में श्रेयस (अय्यर) के साथ पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा थाज यह एक बेखोफ, आक्रमण और अलग टीम बनाने के बारे में था। उन्होंने कहा, प्रभसिमरन, प्रियांश और वेंकेट और इस तरह के खिलाड़ियों ने जो किया, उसके आधार पर पिछले कुछ महीनों में आपके (मीडिया) के माध्यम से शायद काफी कुछ कहा जा चुका है। हम जिस तरह से अपना क्रिकेट खेलने में सक्षम हैं उससे मुझे काफी संतुष्टि मिलेगी।

टियाफो को हराकर मुसेटी फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में
पेरिस। लॉरेजो मुसेटी ने अपने बैकहैंड का शानदार इस्तेमाल करते हुए फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में फ्रांसिस टियाफो को 6-2, 4-6, 7-5, 6-2 से हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह पक्की की। इटली के 23 साल के इस खिलाड़ी ने पिछले साल इसी स्टेडियम में ऑपेनिका कांस्य पदक जीता था। फाइनल में जगह पक्की करने के लिए मुसेटी सामने अब गत चौपन कार्लोस अलकराज की चुनौती होगी। अलकराज की 12वीं वरीयता प्राप्त टॉपी प्लेन की 6-0 6-1 6-4 से हराये में ज्यादा परेशानी नहीं हुई।

सुपर स्ट्राइकर वैभव सूर्यवंशी को मिली टाटा कर्व कार



अहमदाबाद। राजस्थान रॉयल्स के युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन अवॉर्ड से नवाजा गया है। इस अवॉर्ड के साथ उन्हें टाटा कर्व कार इनाम के तौर पर मिली है। बिहार के लाल ने इस सत्र में वैभव इस कार को चला नहीं पाएंगे। इसका फल मिला है। वैभव सूर्यवंशी का पहला सत्र शानदार रहा। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए उन्होंने कई तूफानी पारियां खेलीं। बाएं हाथ के बल्लेबाज वैभव ने 28 अप्रैल को गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंदों में 101 रन की पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने 11 छक्के और सात चौके लगाए थे। वह आईपीएल में शतक लगाने वाले सबसे युवा भारतीय बल्लेबाज बने थे। साथ ही वह आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बने थे। उन्होंने यूसुफ पठन का रिकॉर्ड तोड़ा था। आईपीएल के अपने पहले सीजन में वैभव ने कुल सात मैच खेले। इनमें उन्होंने 206.55 के स्ट्राइक रेट से 252

रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक शतक और एक ही अर्धशतक ठोका। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन के अवॉर्ड से नवाजा गया। इसके अलावा उन्हें टाटा कर्व कार दी गई। दिलचस्प बात यह है कि वैभव इस कार को चला नहीं पाएंगे। इसका सबसे बड़ा कारण उनकी उम्र है। दरअसल, अभी वह सिर्फ 14 साल के हैं और उनका ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं बना है। वैभव ने अपनी आईपीएल करियर की पहली गेंद पर शार्दुल ठाकुर का सामना किया था और पहली गेंद पर छक्का लगाकर बता दिया कि उनमें कितनी प्रतिभा है। पहले ही आईपीएल मैच में 20 गेंदों में 34 रन की पारी वैभव की प्रतिभा की बानगी पेश की। उन्होंने इस सीजन सात मैचों में 206.55 के स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए। इसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उनका स्ट्राइक इस सीजन सात या उससे ज्यादा मैच खेलने वालों में दूसरा सर्वश्रेष्ठ रहा।

उजबेकिस्तान में दिखेगा बिहार का दम

सवात वर्ल्ड कप में भारत की ओर से तीन खिलाड़ी करेंगे प्रतिनिधित्व

मुजफ्फरपुर। खेल के मैदान में बिहार के खिलाड़ियों का जलवा एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखने जा रहा है। उजबेकिस्तान की राजधानी ताशकंद में 23 से 27 जुलाई 2025 तक आयोजित होने वाले सवात वर्ल्ड कप 2025 के लिए बिहार के तीन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन भारतीय टीम में हुआ है। यह चयन उनकी पिछली उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए एशियन सवात महासंघ (ईएन) और राष्ट्रीय सवात संघ द्वारा किया गया है।

स्वीटी, प्रियम और यस राज को मिली भारतीय टीम में जगह

स्वीटी कुमार की कैटेगरी में खेलेंगी। उन्होंने इससे पहले साउथ एशियन सवात चैंपियनशिप 2024 में भारत को दो-दो गोल्ड मेडल दिलाए थे। इसके साथ ही



उन्होंने एशियन सवात चैंपियनशिप, इंडोनेशिया में सिल्वर मेडल जीतकर देश का मान बढ़ाया था। अब वह वर्ल्ड कप में भारत के लिए चुनौती पेश करेंगी। वहीं, प्रियम कर्ण कैडेट वर्ग में हिस्सा लेंगे। उन्होंने इंडोनेशिया में आयोजित एशियन सवात चैंपियनशिप 2024 में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी

पहचान बनाई थी। जबकि तीसरे खिलाड़ी यस राज ने नेशनल फेडरेशन कप और नेशनल सवात चैंपियनशिप दोनों में गोल्ड मेडल जीतकर भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की की है। राज्य सवात संघ बिहार के सचिव शिहान राहुल श्रीवास्तव ने तीनों खिलाड़ियों को भारतीय टीम में चयन का पत्र सौंपते हुए

गर्व जताया कि भारत पहली बार सवात फ्रेंच बॉक्सिंग वर्ल्ड कप में भाग लेने जा रहा है और उसमें बिहार से सर्वाधिक तीन खिलाड़ियों का चयन हुआ है। उन्होंने इसे पूरे राज्य के लिए गौरव का क्षण बताया और विश्वास जताया कि अगर भारतीय टीम का नेतृत्व बिहार को मिलता है, तो ताशकंद में भारत का झंडा लहराना तय है। इस अवसर पर राज्य सवात संघ बिहार की कोषाध्यक्ष संझाई शिल्पी सोमन ने कहा कि यह देखकर बेहद गर्व होता है कि बिहार के खिलाड़ी अब विदेशी खेल प्रतियोगिताओं में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती है कि बिहार अब खेल के हर मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार है और राष्ट्रीय टीम में खिलाड़ियों की भागीदारी इसका प्रमाण है।

चीन सहित सीमावर्ती देशों के लिए एफडीआई नीति में कोई बदलाव नहीं



नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत के साथ सीमा साझा करने वाले देशों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से जुड़ी नीति में कोई संशोधन नहीं किया गया है। यह जानकारी सूत्रों के हवालों से सामने आई है। साल 2020 में सरकार ने एफडीआई से संबंधित प्रेस नोट जारी किया था। इसके तहत सीमावर्ती देशों के निवेशकों को भारत में निवेश करने के लिए सरकार से स्वीकृति लेना अनिवार्य है। यह भारत के सभी सीमावर्ती देशों पर समान रूप से लागू है। ये देश चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान हैं। इन देशों को एफडीआई प्रस्तावों के अनुसार जांच और परीक्षण की समान प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। एक सूत्र ने बताया कि प्रेस नोट 3 के जारी होने के बाद से एफडीआई नीति में कोई संशोधन नहीं किया गया है। यह टिप्पणी महत्वपूर्ण है क्योंकि कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि चीन के साथ एफडीआई प्रस्तावों में बदलाव किया गया है। वर्तमान में, प्रेस नोट 3 के तहत आवेदनों पर विचार करने के लिए गृह सचिव की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी समिति है।

मई में बेहतर मांग के कारण भारतीय सेवा क्षेत्र की वृद्धि बहुत हद तक स्थिर रही

नई दिल्ली। भारत में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मई महीने में बहुत हद तक स्थिर रही। ऐसा मांग से जुड़ी अनुकूल परिस्थितियां, नए ग्राहक मिलने और उद्योगों की ओर से रोजगार देने की बेहतर क्षमता के कारण संभव हो पाया। बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स मई में 58.8 पर रहा। यह अप्रैल के 58.7 की तुलना में मामूली रूप से ऊपर रहा और इसमें तीव्र विस्तार की संभावना दिखाई। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में, 50 से ऊपर का अंक विस्तार को दर्शाता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजलु भंडारी ने कहा, भारत ने मई 2025 में 58.8 को सेवा पीएमआई दर्ज किया, जो मोटे तौर पर हाल के महीनों की स्थिर रीडिंग जैसी ही है। मजबूत अंतरराष्ट्रीय मांग ने सेवा गतिविधि को बढ़ावा देना जारी रखा, जैसा कि अप्रैल से नए निर्यात व्यापार सूचकांक में तेजी से स्पष्ट है। सर्वेक्षण के अनुसार, नए ऑर्डरों में तीव्र गति से वृद्धि हुई, जो मुख्य रूप से विज्ञापन, मांग की मजबूती और मौजूदा ग्राहकों से दोबारा मिले ऑर्डरों के कारण हुई।



भारतीय सेवा क्षेत्र की वैश्विक मांग में दिखा सुधार

कंपनियों ने मई के दौरान भारत के सेवा क्षेत्र के लिए सेवाओं के लिए वैश्विक मांग में भी लगभग सुधार दिखा। विशेष रूप से एशिया, यूरोप और उत्तरी अमेरिका में नए निर्यात ऑर्डरों में तेज वृद्धि दर्ज की गई। भंडारी ने कहा, बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारत के सेवा प्रदाताओं ने कर्मचारियों की भर्ती में भारी वृद्धि की। ऐसे में, रोजगार सूचकांक इस सर्वेक्षण में अब तक दर्ज किए गए उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। पैनेल के लगभग 16 प्रतिशत सदस्यों ने वेतन वृद्धि की बात कही, जबकि 1 प्रतिशत ने गिरावट का संकेत दिया। सर्वेक्षण में कहा गया, सर्वेक्षण के इतिहास में रोजगार सृजन की समग्र दर सबसे मजबूत थी। कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि और ओवरटाइम भुगतान के कारण कंपनियों की लागत में वृद्धि हुई। कुछ कंपनियों ने खाना पकाने के तेल, सामग्री और मांस पर अधिक व्यय का भी हवाला दिया।

इस साल सेवा क्षेत्र की गतिविधि मजबूत रहने की उम्मीद

इस बीच, मूल्य सूचकांकों ने इनपुट लागत और आउटपुट चार्ज मुद्रास्फीति में तेजी दिखाई। दोनों ही मामले में वृद्धि दर अपने ऐतिहासिक औसत से ऊपर पहुंच गई। मई में कारोबारी धारणा में सुधार हुआ। उम्मीद है कि अधिक स्टॉफिंग क्षमता, ग्राहक बढ़ने और मार्केटिंग से इस साल सेवा क्षेत्र की गतिविधियों को मदद मिलेगी। इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कम्पोजिट पीएमआई आउटपुट सूचकांक मई में 59.3 पर आ गया। यह अप्रैल के 59.7 से मामूली रूप से कम है। यह समग्र गतिविधि में आगे तीव्र वृद्धि का संकेत देता है। मुख्य सूचकांक में गिरावट कारखाना उत्पादन की धीमी वृद्धि को दर्शाती है, जबकि सेवा गतिविधि तीव्र गति से बढ़ी है। भारतीय वस्तुओं और सेवाओं की मांग में लगातार सुधार के कारण दोनों क्षेत्रों में नौकरियों में सर्वेक्षण-रिकॉर्ड वृद्धि हुई। इसलिए, कुल रोजगार में अप्रत्यूष गति से वृद्धि हुई। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई को एएसएडबी रेलिबल द्वारा लगभग 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों के पैनेल को भेजे गए प्रश्नावली के जवाबों से संकलित किया जाता है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक शुरू

ब्याज दरों में कटौती की संभावना, 6 जून को आएगा फैसला

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक बुधवार को मुंबई में शुरू हुई। इस बैठक में नीतिगत ब्याज दरों पर फैसला लिया जाएगा। मौद्रिक नीति समिति के निर्णय की घोषणा 6 जून को होगी। केंद्रीय बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा इसका एलान करेंगे। यह नीतिगत बैठक ऐसे समय में हो रही है जब देश में महंगाई में लगातार नरमी दिखाई है। संख्यिकी की और कार्यक्रम कार्यन्वयन मंत्रालय के डेटा के अनुसार, भारत में खुदरा महंगाई अप्रैल में घटकर घटकर 3.16 प्रतिशत हो गई। यह मार्च में 3.34 प्रतिशत थी। चूंकि महंगाई दर 4 प्रतिशत से कम है। ऐसे में समिति नीतिगत फैसला लेते समय इसे ध्यान में रख सकती है। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई के इस बैठक में ब्याज दरों में कटौती की संभावना है। ब्याज दरों में 50 आधार अंक तक की कटौती हो सकती है। एसबीआई को विश्वास है कि इस कटौती से ज़ेडेट साइकल को पुनर्जीवित किया जा सकेगा और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।



इसमें कहा गया था कि ढील देने के लिए ब्याज दरों में 100 आधार अंकों तक की कटौती हो सकती है। पिछली एमपीसी बैठक में केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में 25 आधार अंक यानी 0.25 प्रतिशत की कटौती की थी। इससे रेपो रेट 6.25 से घटकर 6 प्रतिशत हो गया। यह बैठक साल 2025 में 7,8 और 9 अप्रैल को हुई थी। फरवरी 2025 में भी ब्याज दरों में 25 आधार अंक की कटौती की थी। इससे रेपो रेट 6.5 से घटकर 6.25 प्रतिशत हो गया था। लगातार दो बार ब्याज दरों में कटौती और महंगाई में कमी आने के बाद, अर्थशास्त्री कि इस बैठक पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।



नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में तेजी के बाद बुधवार को भारतीय शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी तीन दिनों की गिरावट के बाद बुधवार को हरे निशान पर बंद हुए। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसी बड़ी कंपनियों में खरीदारी से भी बाजार को मजबूती मिली।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 260.74 अंक या 0.32 प्रतिशत चढ़कर 80,998.25 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 349.78 अंक या 0.43 प्रतिशत चढ़कर 81,087.29 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 77.70 अंक या 0.32 प्रतिशत बढ़कर 24,620.20 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में इंटर्नल में 3.32 प्रतिशत की तेजी आई। भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, टाटा स्टील और हिंदुस्तान यूनिलीवर अन्य प्रमुख लाभ में रहे। हालांकि, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन

और लार्सन एंड टूब्रो पिछड़ गए। जियोजिट इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, <भेलु बाजार में हल्के सकारात्मक रुझान के साथ सीमित दायरे में कारोबार हुआ, जिसे अमेरिका के मजबूत रोजगार आंकड़ों तथा अमेरिका-चीन व्यापार तनाव कम होने के संकेतों जैसे अनुकूल वैश्विक संकेतों से समर्थन मिला। नायर ने कहा, मीडियम और स्मॉलकैप शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जो अनुमान से बेहतर आय वृद्धि और मूल्यांकन में नरमी के कारण हुआ। निवेशकों का ध्यान अब आज से शुरू हो रही आरबीआई की नीति बैठक पर है, जिसमें ब्याज दरों में कटौती

और भविष्य की वृद्धि और मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान पर स्पष्टता की उम्मीद है। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोसी तेजी से चढ़ा। जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग भी बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। मंगलवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज के वायदों में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अमेरिकी शेयरों में तेजी के रुझान के बाद बुधवार को जर्मनी का DAX 0.9 प्रतिशत बढ़कर 24,309.65 पर पहुंच गया। पेरिस का

CAC 40 0.7 प्रतिशत बढ़कर 7,819.43 पर पहुंच गया। ब्रिटेन का FTSE 100 0.1 प्रतिशत बढ़कर 8,798.65 पर पहुंचा। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 2,853.83 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। वैश्विक तेल मानक ब्रेट कूड 0.38 प्रतिशत बढ़कर 65.92 डॉलर प्रति बैरेल पर पहुंच गया। मंगलवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 636.24 अंक या 0.78 प्रतिशत गिरकर 80,737.51 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 174.10 अंक या 0.70 प्रतिशत गिरकर 24,542.50 अंक पर बंद हुआ था।



डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश



**उद्योग
एवं
रोज़गार
वर्ष
2025**



नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

स्फिरिचुअल एंड वेलनेस समिट 2025

5 जून 2025 | प्रातः 11:00 बजे
होटल अंजुश्री, उज्जैन, मध्यप्रदेश

स्वास्थ्य और आरोग्य के नये युग में प्रवेश

भारत के हृदयस्थल मध्यप्रदेश के उज्जैन में पहली बार आयोजित होने जा रहे 'स्फिरिचुअल एंड वेलनेस समिट' का अनुभव करें — जहां आयुर्वेद, योग और समग्र जीवन शैली के वैश्विक विशेषज्ञ और अग्रणी चिन्तक एकत्र होकर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे, ताकि एक समग्र, चैतन्य और संतुलित जीवनशैली के भविष्य को सही दिशा दी जा सके।

आइये, भारत में आध्यात्मिक और समग्र कल्याण के नए केंद्र के रूप में उभर रहे मध्यप्रदेश के उज्जैन में वैश्विक कल्याण के भविष्य को आकार देने वाले अनूठे अनुभव का हिस्सा बनें।

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मुख्य आकर्षण एवं गतिविधियां



पैनल डिस्कशन

- साझेदारी मॉडल पर विचार-विमर्श
- वेलनेस ईकोसिस्टम और कार्यबल का निर्माण



मुख्यमंत्री के साथ
वन-टू-वन मीटिंग्स



वेलनेस विज़निंग
(स्वास्थ्य कल्याण
परिकल्पना)



वेलनेस सेशंस
(स्वास्थ्य कल्याण सत्र)

नॉलेज पार्टनर



इण्डस्ट्री पार्टनर



Confederation of Indian Industry



सीधा प्रसारण



@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh



@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP



JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी